page 1 and 8 Apr 25_page 1 Mar 25 final ds.qxd 4/25/2026 2:06 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 ड्रग कंट्रोलर जेके ने नशा विरोधी अभियान के तहत बाइक रैली को हरी झंडी दिखाई

5 प्राची गायकवाड का स्वर्णिम निशाना, भारत फिर पदक तालिका में शीर्ष पर

8 सोपोर में हिंसा में संलिप्तता के आरोप में छह लोग पीएसए के तहत गिरफ्तार

न्यूनतम 21 मौसम जम्मू अधिकतम 32

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-100 | जम्मू तवी, शनिवार 25 अप्रैल, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

बडगाम में आतंकी की जमीन जब्त

बडगाम, 24 अप्रैल । राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में एक आतंकी की जमीन जब्त कर ली।

बडगाम के एसके बाग इलाके में स्थित यह जमीन नौगाम की शेख-उल-आलम कॉलोनी के निवासी तफजुल हुसैन परिमू की है।

अधिकारियों ने बताया कि परिमू फिलहाल एनआईए की हिरासत में है और उस पर अवैध शराब बनाने के अधिनियम, शस्त्र अधिनियम और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अगले कई दिनों तक जम्मू कश्मीर में बारिश व गरज के साथ बौछारें पड़ने का पूर्वानुमान

श्रीनगर, 24 अप्रैल। मौसम विज्ञान केंद्र ने अगले कई दिनों तक जम्मू और कश्मीर में आमतौर पर बादल छाए रहने और रुक-रुक कर बारिश व गरज के साथ बौछारें पड़ने का पूर्वानुमान लगाया है। कुछ स्थानों पर तेज हवाएं भी चल सकती हैं। पूर्वानुमान के अनुसार 24 और 25 अप्रैल को मौसम आंशिक रूप से बादल छाए रहने वाला रहेगा। छिटपुट से लेकर कई स्थानों पर हल्की बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है खासकर दोपहर और शाम के समय। इस दौरान कुछ स्थानों पर तेज हवाएं भी चल सकती हैं।मौसम विभाग ने 26 और 27 अप्रैल को मौसम अधिकतर शुष्क रहने की संभावना जताई। हालांकि दोपहर के समय कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है। 28 अप्रैल को भी आमतौर पर बादल छाए रहने, छिटपुट बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने और कुछ स्थानों पर तेज हवाएं चलने का पूर्वानुमान लगाया है। 29 और 30 अप्रैल के बीच और फिर 1 से 2 मई के बीच क्षेत्र में बादल छाए रहने और कुछ स्थानों पर हल्की बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने संभावित बारिश और तेज हवाओं को देखते हुए किसानों को 24 और 25 अप्रैल को कृषि कार्य स्थगित करने की सलाह दी है। इस बीच जम्मू, कठुआ, सांबा, रियासी और उधमपुर जिलों सहित जम्मू मंडल के कुछ हिस्सों में अगले चार दिनों तक गर्म और शुष्क मौसम बने रहने की संभावना है। 24 अप्रैल को कुछ स्थानों पर लू चलने की भी आशंका है। इन क्षेत्रों के निवासियों को सलाह दी गई है कि वे भीषण गर्मी के दौरान धूप में निकलने से बचें और पर्याप्त मात्रा में पानी, ओआरएस और लस्सी जैसे पारंपरिक पेय पदार्थों का सेवन करके शरीर में पानी की कमी न होने दें।

उपराज्यपाल सिन्हा ने रियासी में 'नशा-मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान' का किया शुभारंभ

स्कूलों, कॉलेजों और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों के आसपास सुरक्षा जांच बढ़ा दी गई है : सिन्हा

जम्मू, 24 अप्रैल । उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आज रियासी में नशा-मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान का शुभारंभ किया और समुदायों, संस्थानों और व्यक्तियों से नशाखोरी के खिलाफ लड़ाई में एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने चेतावनी दी कि यह संकट समाज की नींव को खोखला कर रहा है। उपराज्यपाल ने एक व्यापक जन आंदोलन का आह्वान करते हुए कहा कि पिछले 12 दिनों से केंद्र शासित प्रदेश में नशाखोरी के खिलाफ एक सामूहिक शक्ति उभरी है और लोग इस भूमि को नशीले पदार्थों से मुक्त करने के उद्देश्य के प्रति दृढ़ संकल्पित हैं। पिछले 12 दिनों में अभियान की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि जम्मू मंडल में 11 अप्रैल से 22 अप्रैल के बीच बड़ी संख्या में मामले दर्ज किए गए और कई नशीले पदार्थों के तस्करों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि लगभग 3 करोड़ रुपये मूल्य के नशीले पदार्थ जब्त किए गए हैं और लगभग 1 करोड़ रुपये मूल्य की चल और अचल संपत्तियों को कुर्क किया गया है। उन्होंने कहा कि नशीली दवाओं के तस्करों की संपत्तियों को ध्वस्त कर दिया गया है। 187 ड्राइविंग लाइसेंस और चार वाहन पंजीकरण भी रद्द कर दिए गए हैं। 48 नशीले पदार्थों के तस्करों के खिलाफ वित्तीय जांच शुरू कर दी गई है। दवा और केमिस्ट की दुकानों का निरीक्षण किया गया है और 15 दवा दुकानों के लाइसेंस रद्द कर दिए गए हैं। नशा करने वालों को नशामुक्ति और पुनर्वास केंद्रों में भेजा गया है और उन्हें परामर्श भी दिया जा रहा है। उपराज्यपाल ने यह भी बताया कि 11 अप्रैल को अभियान शुरू होने के बाद से जम्मू मंडल के विभिन्न जिलों में 1,947 महिला समितियां स्थापित की गई हैं और माताओं और बहनों के सहयोग से समाज के इस कलंक का इलाज किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमें एक ऐतिहासिक आंदोलन खड़ा करना होगा जो घरों, स्कूलों, मोहल्लों और समुदायों से शुरू हो; एक ऐसा आंदोलन जो कस्बों और गांवों में खुले ईमानदार संवाद से शुरू हो। माताएं और ब नें हमारे समाज की नैतिक आधारशिला हैं और नकी मदद से हम इस लड़ाई को जीत सकते हैं। इस अवसर पर बोलते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि दो दर्जन से अधिक मादक पदार्थों के तस्करों की पहचान कर ली गई है और उन्हें ढूंढकर सजा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि जम्मू मंडल में हजारों तस्कर निगरानी में हैं और प्रत्येक को तब तक लगातार पकड़ा जाएगा जब तक कि उन्हें गिरफ्तार करके हिरासत में नहीं ले लिया जाता। उपराज्यपाल ने कहा कि स्कूलों, कॉलेजों और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों के आसपास सुरक्षा जांच बढ़ा दी गई है।

भाजपा में शामिल हुए राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल

नई दिल्ली 24 अप्रैल। आम आदमी पार्टी (आप) से इस्तीफे और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने की घोषणा के बाद राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा शुक्रवार को भाजपा के राष्ट्रीय कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ अशोक मित्तल और संदीप पाठक भी थे। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने मिठाई खिलाकर सभी का स्वागत किया। इससे पहले राघव चड्ढा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आज, भारत के संविधान के प्रावधानों का प्रयोग करते हुए राज्यसभा में आम आदमी पार्टी (आप) के दो-तिहाई से अधिक सांसदों ने भाजपा में विलय कर लिया है। सात सांसदों ने उस दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसे राज्यसभा के अध्यक्ष को सौंपा गया था। मैंने, दो अन्य सांसदों के साथ, व्यक्तिगत रूप से हस्ताक्षरित दस्तावेज सौंपे। वहीं, आम आदमी पार्टी ने इसे भाजपा का ऑपरेशन लोटस करार दिया है। पार्टी का आरोप है कि ईडी और सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों का भय दिखाकर आप के नेताओं को तोड़ने की साजिश रची गई है। आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि ऑपरेशन लोटस के माध्यम से भाजपा पंजाब की भगवंत मान सरकार को अस्थिर करना चाहती है। उन्होंने कहा कि यह पंजाब और पंजाब के लोगों के साथ धोखा है। पंजाब की जनता इसको कभी नहीं भूलेगी। इससे पहले राघव चड्ढा ने कहा कि राज्यसभा में आप के 10 सांसद हैं और दो-तिहाई से ज्यादा सांसद इस मुहिम में हमारे साथ हैं। उन्होंने पहले ही हस्ताक्षर कर दिए हैं, और आज सुबह हमने सभी जरूरी दस्तावेज, जिनमें हस्ताक्षरित पत्र और अन्य औपचारिक कागजात शामिल हैं, राज्यसभा के सभापति को सौंप दिए हैं। उन्होंने आगे कहा कि जैसा कि मैंने बताया, दो-तिहाई से ज्यादा सांसद हमारा समर्थन कर रहे हैं और हम जल्द ही आपको पूरी सूची उपलब्ध करा देंगे। उनमें से तीन सांसद अभी आपके सामने यहां मौजूद हैं। इनके अलावा, विश्व-स्तरीय क्रिकेटर हरभजन सिंह, राजेंद्र गुप्ता, विक्रम साहनी और स्वाति मालीवाल भी शामिल हैं।

1984 दिल्ली सिख दंगों के दोषी सज्जन कुमार को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत देने से किया इंकार

नई दिल्ली 24 अप्रैल। 1984 दिल्ली सिख दंगों के दोषी कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने सज्जन कुमार को जमानत देने से इनकार कर दिया है। सज्जन कुमार की ओर से कोर्ट में दलील दी गई कि वह पिछले 7 साल 4 महीने से जेल में है। उनकी पत्नी गंभीर रूप से बीमार है और चल-फिर नहीं सकती हैं, वह अपनी पत्नी से एक बार भी नहीं मिल पाया है। सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल जमानत देने से इनकार करते हुए मामले की अगली सुनवाई जुलाई के लिए तय की है। दिल्ली हाईकोर्ट ने 2013 में सज्जन कुमार को निचली अदालत द्वारा बरी किए जाने के फैसले को पलट दिया था। इससे पहले, 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े जनकपुरी, विकासपुरी हिंसा मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने सज्जन कुमार को बरी कर दिया था। इस हिंसा में दो लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले के फिर से उजागर होने के बाद एसआईटी ने फरवरी 2015 में सज्जन कुमार और अन्य आरोपियों के खिलाफ दो एफआईआर दर्ज की थी। पहली एफआईआर जनकपुरी में एक नवंबर 1984 को सरदार सोहन सिंह और उनके दामाद अवतार सिंह की हत्या से जुड़ा था। दूसरी एफआईआर जनकपुरी में 2 नवंबर 1984 को सरदार गुरचरण सिंह को जिंदा जलाकर मार डालने की वारदात के लिए दर्ज की गई थी। इन मामलों में 7 जुलाई 2025 को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार ने अपना बयान दर्ज कराया था।

खेती को नई दिशा देने वाला लखनऊ सम्मेलन, शिवराज ने दिया समग्र कृषि विकास का संदेश

- ▶▶ टीम इंडिया की भावना से आगे बढ़ेगी कृषि- केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान
- ▶▶ किसान हित के हर मुद्दों पर बनेगी कार्ययोजना, होगी नियमित समीक्षा- श्री शिवराज सिंह चौहान
- ▶▶ केंद्र का राज्यों के सहयोग से बीज, मिट्टी, उपज खरीद और किसान कल्याण पर साफ फोकस- श्री चौहान
- ▶▶ नकली बीज-खाद पर सख्ती, छोटे किसान की भलाई पर विशेष जोर- श्री शिवराज सिंह चौहान
- ▶▶ केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज का राज्यों को खुला आमंत्रण, केंद्र करेगा पूरा सहयोग

लखनऊ में आयोजित उत्तर क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन ने यह स्पष्ट कर दिया कि अब खेती-किसानी के मुद्दे केवल बैठकों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि उन पर समयबद्ध अमल होगा। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने समापन सत्र में साफ कहा कि यह सम्मेलन औपचारिकता नहीं, बल्कि निर्णय, कार्ययोजना, जवाबदेही और किसान-केंद्रित परिणामों का मंच है। श्री शिवराज सिंह ने केंद्र और राज्यों को 卐टीम इंडिया卐 की भावना से मिलकर काम करने का आह्वान करते हुए कहा कि किसान हित सर्वोपरि है, और जो मुद्दे सम्मेलन में उठे हैं, उन पर ठोस कार्यवाही कर हर तीन महीने में समीक्षा की जाएगी। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में आयोजित उत्तर क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन ने कृषि, बागवानी और किसान कल्याण के मुद्दों पर एक स्पष्ट, सकारात्मक और परिणामोन्मुख दिशा दी। समापन सत्र में श्री चौहान ने जोर देकर कहा कि यह बैठक किसी प्रकार का कर्मकांड नहीं है, बल्कि इसमें उठे विषयों पर ठोस कार्ययोजना बनाकर समयबद्ध तरीके से अमल किया जाएगा।

श्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने संबोधन में केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय को सम्मेलन का सबसे बड़ा संदेश बताया। उन्होंने कहा कि किस राज्य में किस दल की सरकार है, यह महत्वपूर्ण नहीं है; सभी सरकारों का लक्ष्य किसानों का कल्याण, खेती की उन्नति और कृषि क्षेत्र की मजबूती होना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सम्मेलन में उठाए गए सभी मुद्दों पर कार्ययोजना बनाई जाएगी और उसकी हर तीन महीने में समीक्षा होगी। साथ ही, राज्यों से कहा गया कि वे कृषि और बागवानी से जुड़े अपने मुद्दे, प्रस्ताव और आवश्यकताएँ सीधे केंद्र सरकार के सामने रखें और बैठकों का इंतजार न करें। श्री चौहान ने राज्यों को निर्देश दिया कि केंद्रीय योजनाओं के प्रस्ताव समय पर भेजे जाएँ, ताकि स्वीकृति और पहली किस्त जारी करने में देरी न हो। उन्होंने यह भी कहा कि योजनाओं की राशि समय पर खर्च करना जरूरी है, क्योंकि व्यय की गति का सीधा असर अगली किस्त और भविष्य के बजट पर पड़ता है। केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने अच्छे बीज को बेहतर खेती की बुनियाद बताते हुए कहा कि ब्रीडर सीड, फाउंडेशन सीड और सर्टिफाइड सीड की पूरी श्रृंखला को मजबूत करना होगा। उन्होंने राज्यों से अपेक्षा की कि वे आवंटित ब्रीडर सीड समय पर उठाएँ और नई किस्मों को केवल जारी करने तक सीमित न रखें, बल्कि उन्हें खेत तक पहुँचाने की व्यवस्था भी मजबूत करें।

एसीबी ने अभिरक्षित भूमि घोटाले का नया मामला उजागर किया, जम्मू में 3 और एफआईआर दर्ज

जम्मू, 24 अप्रैल। जम्मू-कश्मीर भ्रष्टाचार-विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने जम्मू जिले में अभिरक्षित भूमि से जुड़े एक और बड़े घोटाले का पर्दाफाश किया है। जारी एक बयान में प्रवक्ता ने कहा कि जम्मू-कश्मीर भ्रष्टाचार-विरोधी ब्यूरो ने जम्मू-कश्मीर में एक बार फिर एक बड़े भूमि घोटाले का पर्दाफाश करते हुए सफलता हासिल की है। इस घोटाले में पता चला है कि जम्मू जिले के असरवान, मिश्रीवाला, भलवाल और आर.एस.पुरा क्षेत्र में अभिरक्षित भूमि पर भूमि माफिया ने फॉर्म एएलएफ धारकों और अभिरक्षित/राजस्व विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों की मिलीभगत से कब्जा कर लिया था। उन्होंने कहा कि सूचना मिली थी कि असरवान, मिश्रीवाला, भलवाल और आर.एस.पुरा में स्थित हजारों कनाल अभिरक्षित भूमि पर कब्जा किया गया था। जम्मू के आर.एस. पुरा इलाके पर राजस्व अधिकारियों/कर्मचारियों की मिलीभगत से भू-हड़पने वालों/गुंडों ने धोखाधड़ी से कब्जा कर लिया है। राजस्व अभिलेखों में हेराफेरी की गई है और जमीन विभिन्न व्यक्तियों को बेच दी गई है। एसीबी को प्राप्त सूचनाओं के आधार पर सत्यापन शुरू किया गया और पहले किए गए सत्यापन के आधार पर यह पाया गया कि 1000 कनाल से अधिक संरक्षक भूमि फर्जी आदेशों के आधार पर विस्थापित व्यक्तियों को आवंटित दिखाई गई थी जो अन्यथा राजस्व विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों और अन्य लोगों की मिलीभगत से भू-हड़पने वालों/फॉर्म अलाफ धारकों द्वारा धोखाधड़ी के माध्यम से अतिरिक्त भूमि के आवंटन के हकदार नहीं थे। तदनुसार एसीबी द्वारा 24 मामले दर्ज किए गए हैं जिनकी जांच अभी जारी है। सत्यापन के दौरान यह पाया गया कि पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्तियों (पीएके/पीओके शरणार्थियों) को पहले ही उनके नाम पर भूमि आवंटित की जा चुकी थी लेकिन फिर भी इन परिवारों के सगे-संबंधियों ने फॉर्म अलाफ धारक होने के बावजूद संबंधित पटवारियों/गिरदावरों/नायब तहसीलदारों/राजस्व विभाग के तहसीलदारों की मिलीभगत से जम्मू जिले के आर.एस. पुरा और डोमाना क्षेत्र में अतिरिक्त भूमि का म्यूटेशन अपने नाम पर करवा लिया या तो बिना किसी सरकारी/अनंतिम पुनर्वास कार्यालय (पीआरओ) के आदेश के या फर्जी सरकारी/पीआरओ आदेश पर, प्रवक्ता ने कहा। उन्होंने आगे कहा कि सत्यापन के दौरान यह भी पाया गया कि पीआरओ कार्यालय द्वारा भूमि आवंटन के ऐसे कोई आदेश जारी नहीं किए गए थे।

सतीश शर्मा ने केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया से की मुलाकात; जम्मू-कश्मीर में खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने पर जोर

श्रीनगर, 24 अप्रैल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, सूचना प्रौद्योगिकी, परिवहन, युवा सेवाएं एवं खेल तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री सतीश शर्मा ने आज केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया के साथ विस्तृत बैठक की। यह बैठक जम्मू-कश्मीर में आयोजित होने वाले आगामी चिंतन शिविर के अवसर पर हुई। इससे पहले, मंत्री ने आगंतुक गणमान्य व्यक्तियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और देशभर में खेल परिदृश्य को मजबूत करने के उद्देश्य से हो रही महत्वपूर्ण चर्चाओं के लिए उनके जम्मू-कश्मीर आगमन की सराहना की। बैठक के दौरान, सतीश शर्मा ने जम्मू-कश्मीर में खेल विकास को नई गति देने के लिए एक व्यापक रोडमैप पर विस्तार से चर्चा की, जिसमें सीमावर्ती और दूरदराज क्षेत्रों तक पहुंच बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि दूरस्थ और वंचित क्षेत्रों में रहने वाले युवाओं में अपार संभावनाएं हैं, जिन्हें लक्षित प्रयासों और बेहतर खेल सुविधाओं के माध्यम से प्रभावी रूप से विकसित किया जा सकता है। मंत्री ने जम्मू-कश्मीर सरकार द्वारा खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों को भी रेखांकित किया, जिनमें स्थानीय टूर्नामेंटों का आयोजन, प्रतिभा पहचान कार्यक्रम और युवाओं को रचनात्मक एवं राष्ट्र-निर्माण गतिविधियों में जोड़ने की पहल शामिल है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जमीनी स्तर पर बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जाए ताकि हर क्षेत्र के उभरते खिलाड़ियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और सुविधाएं मिल सकें। सतीश शर्मा ने भारत सरकार से मौजूदा खेल ढांचे के उन्नयन और जम्मू-कश्मीर में आधुनिक एवं अत्याधुनिक खेल सुविधाएं विकसित करने के लिए उदार वित्तीय सहायता की भी मांग की।

गुरेज घाटी में दुर्लभ नर कस्तूरी मृग को बचाया गया

बांदीपोरा, 24 अप्रैल। वन्यजीव विभाग ने गुरेज घाटी में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास शुक्रवार को एक दुर्लभ नर कस्तूरी मृग को बचाया गया है। वन्यजीव अधिकारी तनवीर अहमद ने कहा कि कस्तूरी मृग को स्थानीय रूप से रूज कैट के नाम से जाना जाता है। विभाग को क्षेत्र में इसकी उपस्थिति के बारे में जानकारी मिलने के बाद गुरेज के वानपोरा गांव से बचाया गया। एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया। जानवर को सावधानी से फंसाया गया और बिना कोई नुकसान पहुंचाए जिंदा पकड़ लिया गया। अहमद ने कहा कि कस्तूरी मृग को सुरक्षित बचा लिया गया और आगे के पुनर्वास के लिए अजस रेंज में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां से उसे उचित उपचार और चिकित्सा देखभाल के लिए दाचीगाम वन्यजीव पुनर्वास केंद्र में भेजा गया।

विधायकों और प्रतिनिधिमंडलों ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मुलाकात की, अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों के मुद्दे उठाए

जम्मू, 24 अप्रैल। आज कई विधायकों और प्रतिनिधिमंडलों ने यहाँ मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मुलाकात की और उन्हें अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों से जुड़े विभिन्न मुद्दों से अवगत कराया, तथा इन मुद्दों पर समय पर हस्तक्षेप और समाधान की मांग की।

मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वालों में रामनगर के विधायक सुनील भारद्वाज, हब्बाकदल की विधायक शमीम फिरदौस, बुढाल के विधायक जावेद इकबाल, कोकरनाग के विधायक जफर अली खटाना, थानामंडी के विधायक मुजफ्फर इकबाल खान और पूर्व मंत्री यशपाल कुंडल शामिल थे।

इस बातचीत के दौरान, प्रतिनिधियों ने विकास से संबंधित विभिन्न चिंताएं उठाईं, जिनमें बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, सड़क संपर्क में सुधार, स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाओं को सुदृढ़ बनाना, और अपने क्षेत्रों में जनसेवा वितरण से संबंधित मुद्दों का समाधान करना शामिल था। उन्होंने अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों की विशिष्ट मांगों को भी रेखांकित किया और संतुलित तथा समावेशी विकास सुनिश्चित करने के लिए इन पर विशेष ध्यान देने की मांग की। मुख्यमंत्री ने मुलाकात करने वाले विधायकों और प्रतिनिधिमंडलों की बातों को धैर्यपूर्वक सुना और उन्हें आश्वासन दिया कि सभी वास्तविक चिंताओं की जांच प्राथमिकता के आधार पर की जाएगी। उन्होंने सभी क्षेत्रों में जवाबदेह शासन और समान विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।

गजेंद्र सिंह शेखावत और लद्दाख के उपराज्यपाल सक्सेना ने लेह पैलेस में साउंड एंड लाइट शो का उद्घाटन किया

लेह, 24 अप्रैल। लद्दाख में सांस्कृतिक और विरासत पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री, गजेंद्र सिंह शेखावत और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के उपराज्यपाल, विनय कुमार सक्सेना द्वारा ऐतिहासिक लेह पैलेस में एक मंत्रमुग्ध ध्वनि और प्रकाश शो का उद्घाटन किया गया। पर्यटन मंत्रालय के तहत भारत पर्यटन विकास निगम (आईटीडीसी) द्वारा कार्यान्वित इस परियोजना को 8.57 करोड़ की लागत से क्रियान्वित किया गया है जो लद्दाख जैसे विरासत स्थलों में पर्यटन बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। लेह पैलेस लद्दाख के सबसे प्रतिष्ठित स्मारकों में से एक, 17 वीं शताब्दी में राजा सेंगगे नामग्याल द्वारा बनाया गया था और यह नामग्याल राजवंश के निवास और क्षेत्र के प्रशासनिक और औपचारिक केंद्र के रूप में कार्य करता था। सदियों से यह लद्दाख के राजनीतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विकास का गवाह रहा है जिससे यह एक अमूल्य विरासत संपत्ति बन गई है। नव उद्घाटन साउंड एंड लाइट शो आधुनिक और आकर्षक तकनीकों के माध्यम से लद्दाख की समृद्ध सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और स्थापत्य विरासत को प्रस्तुत करता है जिससे विरासत आगंतुकों के लिए अधिक सुलभ हो जाती है। यह शो एएसआई-संरक्षित स्मारक के भीतर ऐसी समकालीन सुविधा के एकीकरण का एक प्रमाण है जो इस बात पर प्रकाश डालता है कि विरासत संरक्षण और बेहतर आगंतुक अनुभव साथ-साथ चल सकते हैं। पहल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि लद्दाख, विशेष रूप से लेह में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं और विनय कुमार सक्सेना के नेतृत्व में परिवर्तन के एक नए चरण में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब देश तेजी से विकास देख रहा है लद्दाख भाग्यशाली है कि उसके पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप पर्यावरण संरक्षण, पर्यटन को बढ़ावा देने और विरासत संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध नेतृत्व है। उन्होंने लेह पैलेस में साउंड एंड लाइट शो के उद्घाटन को गौरव का क्षण बताया।

बॉडी नहीं बनाती ओमेगा-3, शाकाहारी लोगों के लिए बहुत जरूरी हैं ये बीज

ओमेगा 3 एक जरूरी फैटी एसिड है, जिसे शरीर नहीं बना पाता है। इसलिए इसकी कमी का खतरा काफी ज्यादा होता है। जिससे बचने के लिए इन फूड्स का सेवन करना चाहिए।

शरीर को कई तरह के फैट की जरूरत होती है ताकि शरीर का काम सही चलता रहे। मगर ओमेगा-3 फैटी एसिड को बॉडी खुद नहीं बना पाती है और उसे फूड्स पर निर्भर रहना पड़ता है। वरना शरीर में इसकी भारी कमी हो सकती है।

सेल्स के फंक्शन के लिए यह न्यूट्रिएंट बहुत जरूरी होता है। शरीर में ओमेगा-3 की कमी से कई सारी दिक्कतें होने लगती हैं। **जिनके बारे में न्यूट्रिशनिस्ट किरण** कुकरेजा ने जानकारी दी है। एक्सपर्ट ने इसे पाने के लिए कुछ फूड्स खाने की सलाह भी दी है।

ओमेगा-3 की कमी से झेलनी होगी ये दिक्कतें

ड्राई स्किन, हेयर और आई

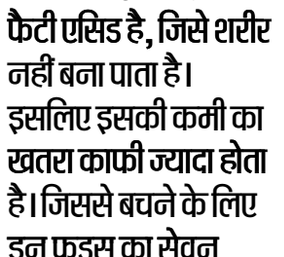

हेल्दी स्किन और हेयर के लिए ओमेगा-3 फैटी एसिड बहुत जरूरी है। वहीं, आंखों की नमी और रेटिना में इसका हाई **कंसंट्रेशन होता है। इसलिए इसकी** डेफिशिएंसी त्वचा, बाल और आंखों में रूखापन कर सकती है।

नाखून हो जाएंगे कमजोर

नाखूनों की सेल्स को जोड़े रखने के लिए भी यह फैट जरूरी होता है। इसके कम होने पर सेल्स मेंब्रेन ढीले और कमजोर होने लगते हैं। जिससे नाखून कमजोर और नाजुक हो जाते हैं।

बीमारियों का घर बनेगा दिल

ओमेगा-3 फैटी एसिड की कमी से दिल बीमारियों का घर बन सकता है। क्योंकि, यह कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। जो कि नसों को सिकोड़ने और डैमेज करके दिल की बीमारियों का प्रमुख कारण बनती हैं।

शाकाहारी लोगों के लिए ओमेगा-3 फूड

शाकाहारी लोग इसे पाने के लिए अलसी के बीज, चिया सीड्स और अखरोट का सेवन कर सकते हैं। इनमें इसका प्रकार अल्फा लिनोलेनिक एसिड (एएलए) प्रचुर मात्रा में होता है। साथ में फोर्टिफाइड दूध, योगर्ट आदि का सेवन भी कर सकते हैं।

ओमेगा-3 के नॉन वेजिटेरियन फूड

मछलियों में ओमेगा-3 फैट काफी होता है। इसके लिए सैल्मन, मैक्रेल, टूना, सार्डिन आदि फैटी फिश का सेवन कर सकते हैं।

गर्मी के मौसम में मसाज के फायदे

गर्मियों का मौसम आ चुका है। इस मौसम में बाहर निकलने पर बढ़ती धूप और गर्म हवा आपको परेशान कर देती है। इसके अलावा रोज की भागदौड़ भरी दिनचर्या लोगों को थका देती है। इसके बाद शरीर पर थकान हावी हो जाती है। इसके बाद कुछ भी करने का मन नहीं करता है। यदि आपको इस मौसम में तरोताजा रहना है तो मसाज एक अच्छा उपाय हो सकता है। मसाज लेने के बाद आप एक बार फिर से तन और मन से ताजगी महसूस करने लगते हैं।

मसाज के फायदे

- मसाज से मांसपेशियो की सिकुड़ने और फैलने की क्षमता में बढोत्तरी होती है। इसके अलावा मेटाबॉलिजम का कार्य सही से होने लगता है।
- मसाज से ब्लड सर्कुलेशन सुचारु रूप से काम करता है।
- मसाज करने से नींद अच्छी आती है। जिसके चलते आंखों की रोशनी बढ़ती है। और स्किन चमकदार बन जाती है।
- मसाज करने के दौरान लंबी-लंबी सांसें लेने से शरीर के अंदर मौजूद कई विकार बाहर निकल जाते हैं। इसके बाद शरीर में स्फूर्ति आ जाती है।
- मसाज रोज करने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है।
- मसाज से रंग में निखार आता है और स्किन चमकदार बन जाती है।
- मसाज से मस्तिष्क में तरावट एवं मानसिक शक्ति का अनुभव होता है।
- मसाज के बाद स्किन के छिद्रों में तेल भरे रहने से जीवाणुओं शरीर के अंदर जाने का खतरा नहीं रहता है।

इनकी भी होती है मसाज

- माथे की मसाज
- गालों की मालिश
- ठुड्डी की मसाज
- गर्दन की मसाज

गर्मियों में तेज धूप, पसीना, गर्म हवाओं की वजह से शरीर में पानी की कमी यानी शरीर में डिहाइड्रेशन पैदा कर सकती है। इस मौसम में शरीर से सारे इलेक्ट्रोलाइट्स निकलने का खतरा होता है।

गर्मियों में खाएं ये चीजें चिलचिलाती गर्मी में भी शरीर रहेगा ठंडा

भारत में गर्मियों का मौसम जारी है और कई जगहों पर पारा 40 डिग्री को भी पार कर गया है। गर्मी की वजह से घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। भाषण गर्मी में पंखा और कूलर भी साथ नहीं दे रहे हैं। अगले कुछ हफ्तों में गर्मी का सितम और बढ़ेगा और ऐसा वक्त आ जाएगा जब एसी भी काम नहीं करेगी। जाहिर है गर्मी का शरीर पर सबसे ज्यादा बुरा प्रभाव पड़ता है।

गर्मियों में तेज धूप, पसीना, गर्म हवाओं की वजह से शरीर में पानी की कमी यानी शरीर में डिहाइड्रेशन पैदा कर सकती है। इस मौसम में शरीर से सारे इलेक्ट्रोलाइट्स निकलने का खतरा होता है। लंबे समय तक डिहाइड्रेशन की वजह से चक्कर आना, सिरदर्द, ऊर्जा की कमी, भ्रम और यहां तक कि बेहोशी जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। डाइट एक्सप्रेशन की फाउंडर और न्यूट्रिशनिस्ट पारुल के अनुसार, गर्मियों में डिहाइड्रेशन से बचने के लिए सिर्फ पानी काफी नहीं है। आपके खाने में कार्ब्स, विटामिन और मिनरल वाली चीजें भी उतनी ही जरूरी हैं। कुछ चीजें हैं जिनका गर्मियों में सेवन करने से शरीर को ठंडा रखा जा सकता है और किसी भी तरह की समस्या से बचा जा सकता है।

केला और अवोकेडो

इन दोनों फलों में कार्ब्स की मात्रा अधिक होती है। इसके अलाव यह फाइबर के अच्छे स्रोत हैं। यह दोनों इलेक्ट्रोलाइट का लेवल बनाए रखते हैं। इन दोनों का शरीर पर ठंडा प्रभाव पड़ता है।

लौकी परिवार की सब्जियां

गर्मियों के दिनों शरीर को ठंडा रखने के लिए आपको लौकी परिवार की सब्जियां जैसे लौकी, कद्दू, करेला, तुरई आदि का खूब सेवन करना चाहिए। इनमें पानी की मात्रा होने के साथ सभी जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं।

साब्जा सीड्स

इन छोटे-छोटे बीजों में फाइबर और प्रोटीन की मात्रा अधिक होती है। इसके अलावा यह ओमेगा-3 फैटी एसिड, पोटैशियम, विटामिन सी आदि का भी भंडार है। यह तत्व गर्मी को कम करते हैं और पेट को ठंडा रखते हैं।

खट्टे फल

जूस वाले खट्टे फल जैसे संतरे, नींबू, कीनू और मौसंबी आदि में जरूरी पोषक तव जैसे विटामिन ए, बी और सी पाया जाता है। यह शरीर में इलेक्ट्रोलाइट का लेवल बनाए रखते हैं।

दही

घर की बनी दही पोषक तत्वों का खजाना है और यह पेट के लिए एक नैचुरल प्रोबायोटिक है, जो शरीर को ठंडा रख सकती है। आप खाने में दही या इसका रायता बनाकर इस्तेमाल करें।

आजकल सिर्फ व्यस्क ही नहीं बल्कि युवाओं को भी इसका सामना करना पड़ रहा है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि खराब खानपान और सुस्त जीवनशैली इसका सबसे बड़ा कारण हैं। कुछ खाद्य पदार्थ खून की नसों में जमा खराब कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकालने का काम करते हैं। इनमें गर्मियों में मिलने वाले कुछ फल भी शामिल हैं।

खून की नसों में चिपके जिद्दी कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकाल देंगे गर्मियों के ये 5 फल

कोलेस्ट्रॉल बढ़ना आजकल की एक गंभीर और आम समस्या बन गई है। आजकल सिर्फ व्यस्क ही नहीं बल्कि युवाओं को भी इसका सामना करना पड़ रहा है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि खराब खानपान और सुस्त जीवनशैली इसका सबसे बड़ा कारण हैं। यह कोई आम समस्या नहीं है और इससे दिल से जुड़े रोगों, स्ट्रोक यानी दिमाग का दौरा और हार्ट अटैक जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारियों का खतरा है। कोलेस्ट्रॉल शरीर की हर कोशिका में पाया जाता है। यह शरीर के लिए जरूरी भी है लेकिन वो अच्छा कोलेस्ट्रॉल होता है। अच्छा कोलेस्ट्रॉल खाद्य पदार्थों का पाचन, हार्मोन का उत्पादन और अन्य कई काम करता है। यह सभी कचरे और विषाक्त पदार्थों को वापस लीवर में पहुंचाता है। लेकिन एक खराब कोलेस्ट्रॉल भी है, जो धमनियों की दीवारों पर पट्टिका की एक परत बनाता है, जिससे रक्त का प्रवाह मुश्किल हो जाता है, जो आगे चलकर हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट डिजीज और स्ट्रोक का कारण बन सकता है।

कुछ खाद्य पदार्थ खून की नसों में जमा खराब कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकालने का काम करते हैं। इनमें गर्मियों में मिलने वाले कुछ फल भी शामिल हैं। चूंकि गर्मियों का मौसम जारी है, तो ऐसे में आपको इन सस्ते फलों का खून सेवन करना चाहिए जिससे शरीर से यह गंदा पदार्थ बाहर निकल सके और आपका ब्लड सर्कुलेशन बेहतर बना रहे।

पपीता

फाइबर से भरपूर पपीता हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। यह खराब कोलेस्ट्रॉल लेवल को भी कंट्रोल करता है। फाइबर पाचन को बेहतर बनाने में सहायक है और यह आंतों की भी सफाई करता है।

अंगूर

एनसीबीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, अंगूर फाइबर का एक बेहतर स्रोत है। इस तरह अंगूर का नियमित सेवन कोलेस्ट्रॉल लेवल को नैचुरली कम करने में मदद करता है। अंगूर वजन को नियंत्रित करने में भी मदद करता है, जिसे हृदय रोगों के पीछे एक और कारण बताया जाता है।

खट्टे फल

गर्मियों में सभी तरह के खट्टे फल खाना दिल से जुड़ी बीमारियों को दूर करने में फायदेमंद साबित हो सकते हैं। आप अपने खाने में नींबू और संतरे जैसे खट्टे फल शामिल कर सकते हैं क्योंकि यह विटामिन सी से भरे होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को भी बढ़ाते हैं।

सेब

सेब एक ऐसा फल है, जो सिर्फ कोलेस्ट्रॉल ही नहीं बल्कि शरीर में जमा अन्य गंदे पदार्थों को भी कम कर सकता है. सभी हृदय रोगियों को अपने खाने में सेब को शामिल करना चाहिए क्योंकि यह कोलेस्ट्रॉल लेवल को नैचुरली कम करने में मदद करता है। सेब में फाइबर पेक्टिन की मौजूदगी कोलेस्ट्रॉल लाल को कम करने में मदद करती है।

स्ट्रॉबेरी

एनसीबीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, मानव शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने के लिए स्ट्रॉबेरी एक बेहतर फ्रूट है। यह एंटीऑक्सिडेंट का बेहतर स्रोत है, जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसके अलावा यह विटामिन का भंडार है और इसमें कैलोरी बहुत कम होती है।

स्वाद के साथ सेहत की खान है आम

स्वाद के साथ फायदों की खान है आम। जी हां, आम को फलों का राजा माना जाता है। गर्मियां तो बिना आम के सेवन अधूरी है। आप कोई भी फल खा लें लेकिन आम को अपनी फ्रूट बास्केट में शामिल करना न भूलें। स्वाद के साथ आम खाने के कई फायदे हैं।

कैंसर से बचाव

आम में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट कोलोन कैंसर, ल्यूकेमिया और प्रोस्टेट कैंसर से बचाव में फायदेमंद है। इसमें क्यूर्सेटिन, एस्ट्रागालिन और फिसेटिन जैसे ऐसे कई तत्व होते हैं जो कैंसर से बचाव करने में मददगार होते हैं।

कोलेस्ट्रॉल नियमित रखने में

आम में फाइबर और विटामिन सी खूब होता है। इससे बैड कोलेस्ट्रॉल संतुलन बनाने में मदद मिलती है।

पाचन क्रिया को ठीक रखने में

आम में ऐसे कई एंजाइम्स होते हैं जो प्रोटीन को तोड़ने का काम करते हैं। इससे भोजन जल्दी पच जाता है। साथ ही इसमें उपस्थित साइट्रिक एसिड, टरटैरिक एसिड शरीर के भीतर क्षारीय तत्वों को संतुलित बनाए रखता है।

स्मरण शक्ति में मददगार

जिन लोगों को भूलने की बीमारी हो उन्हें आम का सेवन करना चाहिए। इसमें पाया जाने वाला ग्लूटामिन एसिड नामक एक तत्व स्मरण शक्ति को बढ़ाने में उत्प्रेरक की तरह काम करता है। साथ ही इससे रक्त कोशिकाएं भी सक्रिय होती हैं। इसीलिए गर्भवती महिलाओं को आम खाने की सलाह दी जाती है।

त्वचा के लिए है फायदेमंद

आम के गुदे का पैक लगाने या फिर उसे चेहरे पर मलने से चेहरे पर निखार आता है और विटामिन सी संक्रमण से भी बचाव करता है।

मोटापा कम करने में

मोटापा कम करने के लिए भी आम एक अच्छा उपाय है। आम की गुठली में मौजूद रेशे शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में बहुत फायदेमंद होते हैं। आम खाने के बाद भूख कम लगती है, जिससे ओवर ईटिंग का खतरा कम हो जाता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में

आम खाने से शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता में भी इजाफा होता है।

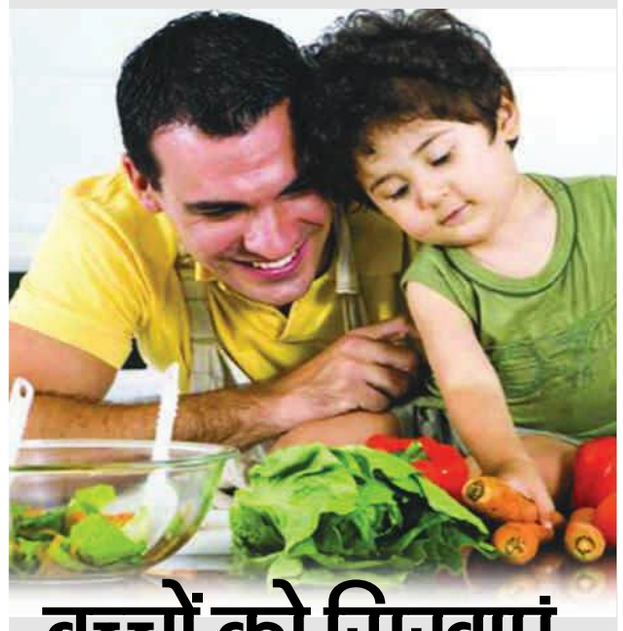

बच्चों को सिखाएं हेल्दी फूड हैबिट

बच्चों के बड़े होने पर उन्हें पोषण देने के लिए जरूरी है कि बचपन से ही उन्हें अच्छा पोषण दिया जाए। लेकिन उसके लिए सही शुरुआत करें और स्वस्थ खाना सिखाएं। बच्चे इन स्वस्थ आदतों को खुद अनुभव करके और दूसरों को देखकर सीखते हैं। बच्चों को अच्छी खाने की आदतें सिखाना शुरू करना कभी भी जल्दी नहीं होता है। इसके लिए आप नीचे दिए टिप्स भी अपना सकते हैं जिससे बच्चे सही समय पर स्वस्थ खाना सीखें जो उन्हें बड़े होने तक फायदा पहुंचाएगा। सभी साथ बैठकर खाएं एक परिवार के रूप में एक साथ खाना खानाज जरूरी है। बच्चों को सिखाएं कि सभी साथ बैठें। इससे बच्चों के सामने आप हर तरह की सब्जियां खाकर दिखाएंगे तो वो भी आपसे सीखेंगे। साथ ही उन्हें लोगों के सामने व्यवहार करना भी आएगा। इससे एक फायदा होगा कि बच्चा खाना खाते समय फोन या टीवी भी नहीं देखेगा।

बच्चों को चुनने दें

जरूरी नहीं जो हम खा रहे हों वो सभी चीजें बच्चे खाएं। बच्चों के लिए अलग से खाना न बनाएं लेकिन जो आप बना रहे हैं या बड़े खा रहे हैं वो सभी चीज बच्चों को जबरदस्ती न खिलाएं। बच्चों को खुद चुनने दें कि वो इन सबमें से क्या खाना चाहते हैं।

अपनी कोशिश जारी रखें

बच्चों को हेल्दी फूड हैबिट सिखाने में समय लग सकता है। ऐसे में अपनी कोशिश न छोड़ें। शुरुआत में बच्चे नखरे करेंगे लेकिन आपकी कोशिश जारी रही तो बच्चों की आदत भी बदलेगी। कभी-कभी बच्चों को यह चुनने दें कि खाने में क्या सब्जी बननी चाहिए। साथ ही उन्हें उसे बनाने में मदद के लिए कहें।

लालच देकर न खिलाएं

बच्चों को लालच देकर खाना खत्म करने को न कहें। बच्चों को डेजर्ट के लालच में खाना खाने को न कहें। कई माता-पिता इस बात पर जोर देते हैं कि अगर बच्चे पूरा खाना खाएंगे तो उन्हें मिठाई मिलेगी। ऐसा न करें। उन्हें भूख के अनुसार खाना सिखाएं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

डोडा में गुज्जर और बकरवाल छात्रावासों का राणा ने किया निरीक्षण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बुनियादी ढांचे के उन्नयन पर जोर

डोडा, 24 अप्रैल। जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने आज डोडा में गुज्जर और बकरवाल बालक एवं बालिका छात्रावासों का दौरा कर वहां रह रहे विद्यार्थियों को दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया।

दौरे के दौरान मंत्री ने छात्रावासों के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण किया और आवश्यक सुविधाओं, शैक्षणिक सहायता प्रणाली तथा छात्रों की समग्र जीवन स्थितियों की समीक्षा की।

उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुविधाएं और अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया, ताकि विद्यार्थी अपनी पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें।

राणा ने संबंधित अधिकारियों को छात्रावासों के बुनियादी ढांचे के उन्नयन और सुविधाओं को और मजबूत करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनजातीय छात्रों को बेहतर शैक्षणिक और आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। मंत्री ने छात्रों से बातचीत भी की, उनकी पढ़ाई की प्रगति के बारे में जानकारी ली और सुविधाओं को लेकर उनकी राय और सुझाव सुने। उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी वास्तविक समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा। विधायक शक्ति राज परिहार, दलीप सिंह परिहार और जिला डोडा के वरिष्ठ अधिकारी भी इस दौरे में उनके साथ मौजूद थे।

'विकसित गांव पहल के तहत रंजीतपुर पंचायत में 2 करोड़ रुपये के विकास कार्य प्रस्तावित'

जम्मू, 23 अप्रैल। ग्रामीण ढांचे को मजबूत करने और जमीनी स्तर पर विकास को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जम्मू पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक अरविंद गुप्ता ने आज रंजीतपुर पंचायत का दौरा किया और विकसित गांव卐 पहल के तहत विभिन्न विकास कार्यों का प्रस्ताव रखा।

लगभग 2 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाले इन कार्यों में सामुदायिक भवन और चौपाल का निर्माण, विद्यालयों का विकास एवं उन्नयन, नालियों का निर्माण, सड़कों का सुधार तथा पंचायत के समग्र विकास हेतु अन्य आवश्यक बुनियादी सुविधाओं का सृजन शामिल है। अपने दौरे के दौरान अरविंद गुप्ता ने प्रस्तावित कार्यों के स्थलों का निरीक्षण किया तथा स्थानीय निवासियों और अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विकास कार्यों को जनता की वास्तविक आवश्यकताओं और मांगों के आधार पर प्राथमिकता दी जानी चाहिए ताकि हर घर तक विकास पहुंच सके।

सभा को संबोधित करते हुए अरविंद गुप्ता ने कहा कि गांवों का विकास सर्वोच्च प्राथमिकता है और 卐विकसित गांव卐 पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बुनियादी सुविधाओं के मामले में कोई भी क्षेत्र पीछे न रह जाए। उन्होंने कहा, रंजीतपुर पंचायत में अपार संभावनाएं हैं और हमारा लक्ष्य आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा लोगों की लंबे समय से लंबित समस्याओं का समाधान करना है। प्रस्तावित कार्यों से क्षेत्र में स्पष्ट और सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलेगा। जनभागीदारी पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, 卐हर विकास कार्य के लिए जनता की भागीदारी अनिवार्य है। जब लोग सक्रिय रूप से जुड़ते हैं, निगरानी करते हैं और सहयोग करते हैं, तो विकास कार्य अधिक प्रभावी, पारदर्शी और टिकाऊ बनते हैं। जनता के सहयोग के बिना विकास संभव नहीं है। हम रंजीतपुर पंचायत के समग्र और सार्थक विकास के लिए लोगों के साथ मिलकर कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि सभी कार्य गुणवत्ता, पारदर्शिता और निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरे किए जाएंगे तथा योजना और क्रियान्वयन में जनता की आवश्यकताओं को सर्वोपरि रखा जाएगा। इस अवसर पर पूर्व उपमहापौर धर्मवीर जमवाल और मंडल अध्यक्ष अनिल अंगराल भी उपस्थित थे। पंचायत तथा ग्रामीण अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों ने भी योजनाओं के निर्माण और तकनीकी आकलन में सक्रिय भागीदारी निभाई। इस दौरान पंचायत के कई प्रमुख सदस्य भी उपस्थित रहे, जिनमें पूर्व सरपंच अविनाश सिंह, पूर्व सरपंच प्रीतपाल सिंह, हरविंदर सिंह (विकी), अरुण दुबे, राजेश सैनी, गीता सोढ़ी, विक्की अंगुराना, अनिल सिंह रकवाल सहित अन्य स्थानीय निवासी शामिल थे।

गोवंशों की दर्दनाक मौत पर गुस्साए गौ रक्षा दल का प्रदर्शन, सख्त कार्रवाई की मांग

कठुआ, 24 अप्रैल (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले से एक बेहद दर्दनाक मामला सामने आया है, जहां ट्रक में ठूंस-ठूंस कर ले जाए जा रहे 14 गोवंशों की दम घुटने से मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में लोगों में भारी आक्रोश है।

जानकारी के अनुसार लखनपुर की ओर से जम्मू की तरफ जा रहे एक ट्रक को छन्नी के पास रोका गया। जांच के दौरान पाया गया कि ट्रक में बेहद अमानवीय तरीके से भरे गए 14 गोवंश तड़प-तड़प कर दम तोड़ चुके थे। इसके बाद गौ रक्षा दल के सदस्यों ने सभी मृत 14 गोवंशों का दफनाकर अंतिम संस्कार भी किया। गौ रक्षा दल के गुस्साए कार्यकर्ताओं ने जिला सचिवालय के समीप नारेबाजी करते हुए प्रशासन के खिलाफ रोष जताया।

गौ रक्षा दल के प्रदेश अध्यक्ष सनी शर्मा और शशि शर्मा ने इस घटना को बेहद निर्दयी बताते हुए सरकार, जिला प्रशासन और विभिन्न राजनीतिक दलों पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि गो माता के नाम पर वोट लेने वाले ऐसे मामलों में चुप्पी साध लेते हैं और सरकारें इस पर सख्त कानून नहीं बना रही, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि दोषियों के खिलाफ जल्द कड़ी कार्रवाई नहीं हुई, तो वे गोरक्षा के लिए खुद सख्त कदम उठाने को मजबूर होंगे।

किश्तवाड़ जिला प्रशासन ने नशा मुक्त जेके अभियान के तहत मेगा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया

किश्तवाड़, 24 अप्रैल। चल रहे 100 दिवसीय 卐नशा मुक्त जेके अभियान卐 के तहत जिला प्रशासन किश्तवाड़ ने आज गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज ऑडिटोरियम में एक मेगा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

इस कार्यक्रम में 300 से अधिक लोगों ने भाग लिया, जिनमें जिला अधिकारी, शिक्षक, छात्र और विभिन्न विभागों के कर्मचारी शामिल थे। यह भागीदारी जिले से नशे की समस्या को खत्म करने के प्रति सामुदायिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

जेकेपीडीसीएल के प्रबंध निदेशक राहुल यादव, जो किश्तवाड़ के लिए नशा मुक्त जेके अभियान के जिला मेंटर भी हैं, मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई।

सभा को संबोधित करते हुए राहुल यादव ने जिला प्रशासन की सराहना की और कहा कि नशा रोकथाम में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने शिक्षकों के क्षमता निर्माण पर जोर दिया, ताकि युवाओं में दीर्घकालिक जागरूकता और व्यवहार परिवर्तन लाया जा सके।उन्होंने कहा कि नशे की समस्या को गंभीरता और संवेदनशीलता से लेना जरूरी है। संदिग्ध नशे से जुड़ी मौतों को सामाजिक कलंक के कारण नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम से मौत के वास्तविक कारण और संभावित ड्रग ओवरडोज का पता चलता है, जिससे स्रोत की पहचान और रोकथाम में मदद मिलती है। उन्होंने समाज से एकजुट होकर नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर बनाने की अपील की। इससे पहले, उपायुक्त पंकज कुमार शर्मा ने स्वागत भाषण में जिले में चल रही जागरूकता गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मजबूत पारिवारिक संबंधों और सतर्क समुदाय के कारण किश्तवाड़ में नशे का प्रभाव अपेक्षाकृत कम है।

उन्होंने बताया कि पिछले 13 दिनों में 760 से अधिक स्कूलों, 136 पंचायतों और 11 नगर वार्डों में जागरूकता अभियान चलाया गया है और जिले में प्रतिदिन गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

ड्रग कंट्रोलर जेके ने नशा विरोधी अभियान के तहत बाइक रैली को हरी झंडी दिखाई

जम्मू, 24 अप्रैल। ड्रग कंट्रोलर जम्मू-कश्मीर राजेश कुमार ने आज चर्च लेन-रेजीडेंसी रोड से सोनमर्ग कश्मीर तक बाइक रैली को हरी झंडी दिखाई। यह रैली 'वी केयर टीम' द्वारा, अध्यक्ष केल्विन भट्टी के नेतृत्व में, ड्रग एवं फूड कंट्रोल संगठन जम्मू-कश्मीर के सहयोग से 100 दिवसीय नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत आयोजित की गई।

रैली का मुख्य उद्देश्य नशे की बढ़ती समस्या के प्रति जागरूकता फैलाना है। बड़ी संख्या में स्वयंसेवक इसमें भाग ले रहे हैं, ताकि लोगों को जागरूक किया जा सके और नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए सामूहिक जिम्मेदारी को बढ़ावा दिया जा सके।

राजेश कुमार ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई एक नैतिक और सामाजिक आपातकाल है। उन्होंने कहा कि इस अभियान की सफलता के लिए जनभागीदारी बेहद जरूरी है और अभिभावकों, शिक्षकों तथा धार्मिक नेताओं की भूमिका महत्वपूर्ण है।

उन्होंने बताया कि विभाग ने अवैध रूप से बेची जा रही नशीली दवाओं के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है और पूरे जम्मू-कश्मीर में औचक निरीक्षण किए जा रहे हैं।

उन्होंने लोगों से अपील की कि नशीली दवाओं के दुरुपयोग या अवैध बिक्री से संबंधित जानकारी हेल्पलाइन 104 या ईमेल के माध्यम से विभाग को दें।

एसडीएम ने जीजीएचएस सल्बाला-गूल में शैक्षणिक गतिविधियों और सुविधाओं की समीक्षा की

रामबन, 24 अप्रैल। उप मंडल मजिस्ट्रेट गूल इम्तियाज ने आज सरकारी बालिका उच्च विद्यालय सल्बाला का दौरा कर संस्थान के कार्यों की समीक्षा की।

उन्होंने कक्षाओं, स्वच्छता सुविधाओं और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया ताकि छात्रों को सुरक्षित और अनुकूल शिक्षण वातावरण मिल सके। उन्होंने स्कूल प्रबंधन को नए भवन में कक्षाएं शुरू करने के निर्देश दिए।

एसडीएम ने छात्रों और स्टाफ से बातचीत कर शिक्षा की गुणवत्ता और संसाधनों की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली। उन्होंने छात्रों को पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने और उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने स्कूल के समग्र विकास के लिए हर संभव सहायता का आश्वासन दिया और संबंधित अधिकारियों को कमियों को प्राथमिकता के आधार पर दूर करने के निर्देश दिए।

पंजाब के सभी जिलों में ब्लैकआउट, मॉक ड्रिल से किया अभ्यास

चंडीगढ़, 24 अप्रैल (हि.स.)। पंजाब में आपात स्थिति से निपटने के लिए शुक्रवार की रात ब्लैकआउट मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। सभी जिलों में उपायुक्त तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मौके पर मौजूद रहे। भारत सरकार के गृह मंत्रालय के निर्देश पर राज्य के सभी जिलों में यह अभ्यास किया गया। इसका अभ्यास एक एयर रेड चेतावनी सिग्नल के साथ शुरू हुआ। इस दौरान दो मिनट की अवधि के लिए हाई-लो पिच सायरन बजाए गए। इस अभ्यास के दौरान संबंधित डिप्टी कमिश्नर-कम-कंट्रोलर, सिविल डिफेंस द्वारा चिन्हित विशेष क्षेत्रों में एक सिम्युलेटेड ब्लैकआउट लागू गया। राज्य के सीमावर्ती जिलों गुरदासपुर, पठानकोट, अमृतसर, तरनतारन, फिरोजपुर में मॉकड्रिल का प्रभावी असर देखने को मिला। यहां सीमावर्ती गांवों में लोगों ने स्वयं शाम साढे सात बजे ही लाइटें बंद कर दी। पंजाब के सभी जिलों में रात 8.15 बजे फिर से बिजली आपूर्ति सामान्य कर दी गई।

जेकेबोसे ने द्विवार्षिक परीक्षा फार्म जमा करने की तिथियां जारी कीं

जम्मू, 24 अप्रैल। जम्मू और कश्मीर बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन (जेकेबोसे) ने कक्षा 10 और 12 वार्षिक (प्राइवेट)/द्विवार्षिक 2026 सत्र के लिए परीक्षा फॉर्म जमा करने की तिथियां घोषित कर दी हैं। यह कार्यक्रम जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के सभी पात्र अभ्यर्थियों पर लागू होगा, जिसमें शीतकालीन और ग्रीष्मकालीन दोनों क्षेत्र शामिल हैं। अधिसूचना के अनुसार, कक्षा 10 के पुनः उपस्थित और असफल अभ्यर्थी ऑनलाइन फॉर्म भर सकते हैं, जबकि नए प्राइवेट अभ्यर्थी ऑफलाइन माध्यम से 27 अप्रैल से 9 मई तक 1300 रुपये शुल्क के साथ फॉर्म जमा कर सकते हैं। 11 से 16 मई तक विलंब शुल्क 2150 रुपये के साथ फॉर्म जमा किए जा सकते हैं। इसी प्रकार, कक्षा 12 के अभ्यर्थी 27 अप्रैल से 9 मई तक 1510 रुपये शुल्क के साथ फॉर्म जमा कर सकते हैं, जबकि 11 से 16 मई तक 2360 रुपये विलंब शुल्क के साथ आवेदन किया जा सकता है। विस्तृत जानकारी, दिशा-निर्देश और शुल्क संरचना बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है।

मुख्यमंत्री उमर से मिले ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त- विकास के नए रास्तों पर चर्चा

नई दिल्ली 24 अप्रैल। भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त, फिलिप ग्रीन ने शुक्रवार मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मुलाकात की और कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के रास्तों पर चर्चा की। चर्चा के दौरान, दोनों पक्षों ने कृषि और संबद्ध क्षेत्रों, विशेष रूप से बागवानी और पशुपालन में सहयोग के अवसरों की तलाश की। उत्पादकता और स्थिरता में सुधार के लिए ज्ञान साझा करने, सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने और क्षमता निर्माण पर जोर दिया गया। बातचीत में भारत-ऑस्ट्रेलिया जुड़ाव के व्यापक ढांचे के भीतर, जम्मू-कश्मीर में चल रही विकासात्मक पहलों का समर्थन करने के लिए संस्थागत संबंधों और तकनीकी सहयोग की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई। यह जुड़ाव भविष्योन्मुखी रहा, जिसमें उचित माध्यमों के जरिए सहयोग को गहरा करने का साझा इरादा व्यक्त किया गया। बैठक के दौरान ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग से द्वितीय सचिव ओर्सन पासी और राजनीतिक प्रमुख सुश्री वंदना सेठ भी उपस्थित थीं।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना

व. मंडल विद्युत अभियंता/टी.आर.डी, उ.रे., फिरोजपुर के लिए और भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई-निविदाएं अंतिम तिथि 18.05.2026 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदाकारक अपने मूल/संशोधित निविदा बंद होने की तारीख 18.05.2026 को 15:00 बजे तक प्रस्तुत कर सकते हैं। मैनुअल प्रस्ताव इस निविदा के लिए मान्य नहीं है।

टेंडर संख्या	कार्यों का विवरण	अनुमानित लागत (Rs.)	निविदा की समापन तिथि व समय	बयाना राशि# (Rs.)	कार्य की अवधि	टेंडर खुलने की तिथि एवं समय	वेब साईट
720C-टी.आर.डी- फिरोजपुर-2025-26	फिरोजपुर/NR डिवीजन के सभी सेक्शनों में मौजूदा एससीएडीए (SCADA) प्रणाली में साइबर सुरक्षा के कार्यान्वयन के लिए कार्य	2,19,73,503.27	18.05.2026 15:00 बजे तक	4,39,500/-	12 माह	18.05.2026 15:00 बजे के बाद	www.ireps.gov.in
कार्य की समान प्रकृति उपरोक्त निविदा सं.: 720C-टी.आर.डी.-फिरोज़पुर-2025-26 के लिए: (i) पात्रता मानदंड के लिए रेलवे बोर्ड / आरडीएसओ दिशा निर्देशों का पालन किया जाना चाहिए। या (ii) आईईसी प्रोटोकॉल पर आधारित सीरियल कम्युनिकेशन पोर्ट के माध्यम से संख्यात्मक रिले को एससीएडीए सिस्टम से इंटरफेस करना। (संदर्भः प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता/एनआर के पत्र संख्या 181-इलेक्ट/टीआरडी/189/भाग II, दिनांक 29.07.2021 के विदु संख्या 2.8 और 2.9)						
803-टी.आर.डी- फिरोजपुर-2026-27	साहनेवाल (SNL)-अमृतसर (ASR) सेक्शन और GILL/SP के SCADA सिस्टम का चार (04) वर्षों की अवधि के लिए ओपन एक्सेस के तहत वार्षिक रखरखाव अनुबंध (व्यापक) जिसमें SEMC को डेटा भेजने के लिए DUQ/TSS पर ABT मीटर का पूर्ण एकीकरण शामिल है	37,14,101.47	18.05.2026 15:00 बजे तक	74,300/-	48 माह	18.05.2026 15:00 बजे के बाद	www.ireps.gov.in

सं.: 720C-टी.आर.डी-फिरोजपुर-2025-26 एवं 803-टी.आर.डी-फिरोजपुर-2026-27 दिनांक: 23.04.2026 1366/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

समृद्ध किसान ही विकसित भारत के निर्माण में निभाएगा महत्वपूर्ण भूमिका : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल, 24 अप्रैल (हि.स.)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सच्चा वादा और पक्का काम, यही हमारी सरकार का संकल्प है। हमने किसानों से जो वादा किया, वह पूरा करके दिखाया है। जब हमारे खेतों से लेकर कारखाने तक समृद्धि आएगी, तभी हमारे किसान भी समृद्ध और खुशहाल होंगे। मप्र का समृद्ध किसान ही विकसित भारत 2047 के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार की रात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रदेशवासियों को लाइव संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मैं प्रदेश के सभी किसानों को आश्वस्त करता हूं कि उनकी मेहनत, पसीना और आपका भविष्य हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसानों की समृद्धि ही मध्य प्रदेश की असली ताकत है।

आइए, हम सब मिलकर किसान कल्याण वर्ष में मध्य प्रदेश को कृषि के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक ले जाएं।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में मध्य प्रदेश तेजी से विकास पथ पर आगे बढ़ रहा है। प्रदेश की तीव्र गति के विकास का मुख्य आधार हमारे किसान भाई-बहन हैं। हमारी सरकार अन्नदाता की खुशहाली और उनकी समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। हम न केवल किसानों की आर्थिक उन्नति के लिए संकल्पित हैं, बल्कि उनके जीवन में सुख और आनंद के सूर्योदय का भी प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की आमदनी बढ़ाये बिना प्रदेश के सर्वांगीण विकास की कल्पना अधूरी है। हमारी सरकार किसानों के हर सुख-दुख में साथ है। इसी का परिणाम है कि प्रदेश सरकार निरंतर किसान हितैषी ऐतिहासिक निर्णय ले रही है। आज मैं ऐसे विषय पर संवाद कर रहा हूं, जो हमारे प्रदेश की आत्मा, हमारे अन्नदाता से जुड़ा हुआ है। मध्य प्रदेश सरकार किसान हितैषी संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है और इसी भावना के साथ इस वर्ष को किसान कल्याण वर्ष के रूप में समर्पित किया गया है।

ड्रग पेडलर्स के खिलाफ कड़ा प्रहार, मीरां साहिब में प्रशासन ने ढहाए दो और मकान

जम्मू, 24 अप्रैल। जिला प्रशासन ने शुक्रवार को जम्मू शहर के बाहरी इलाके में दो कथित ड्रग तस्करों की आवासीय संपत्तियों को ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई नशीली दवाओं की तस्करी और व्यापार में शामिल व्यक्तियों से जुड़ी संपत्तियों पर कार्रवाई के हिस्से के रूप में की गई। अधिकारियों ने बताया कि भारी पुलिस तैनाती के साथ बुल्डोजर मीरां साहिब की इंद्र नगर कॉलोनी में पहुंचे और इलाके के दो ड्रग तस्करों के घरों को ढहा दिया। नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किए गए इन दोनों व्यक्तियों के खिलाफ यह कार्रवाई नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत की गई। विध्वंस अभ्यास के दौरान एसडीएम (आर.एस. पुरा) अनुराधा ठाकुर और एसडीपीओ गुरमीत सिंह मौके पर मौजूद थे। इसी तरह की एक कार्रवाई में, गुरुवार को जम्मू शहर के राजीव नगर इलाके में कथित ड्रग तस्करों की तीन आवासीय संपत्तियों को ध्वस्त कर दिया गया था। 18 अप्रैल को, ड्रग व्यापार से जुड़ी संपत्तियों पर प्रशासन और पुलिस की एक और कार्रवाई में, शहर के बेलीचराना इलाके में एनडीपीएस के आरोपियों की दो आवासीय संपत्तियों को गिरा दिया गया था।

20th India Reserve Battalion Terminates Services of Selection Grade Constable for Involvement in Criminal Case and Prolonged Unauthorized Absence

The Commandant of the 20th India Reserve (IR) Battalion has ordered the removal from service of Selection Grade Constable Dushant Sharma (No. 359/IR-20, ARP-075612) with immediate effect. The action follows a detailed examination of the Constable's conduct, which revealed serious violations of both legal and departmental norms. The official was found to be involved in a criminal case registered by the Anti-Corruption Bureau (ACB), Jammu & Kashmir, and had also remained absent from duty without authorization for a prolonged period. Such acts constitute grave misconduct and demonstrate a clear disregard for discipline, integrity, and the standards expected of members of the force. Considering the seriousness of the charges, including involvement in a corruption case and prolonged absenteeism, the competent authority determined that his continuation in service was untenable. The 20th IR Battalion reiterates its zero-tolerance policy towards indiscipline and misconduct. This action reflects the department's firm commitment to upholding integrity, accountability, and the highest standards of professional conduct.

DIP/J-1045/26
Dtd: 24-4-2026

Sd/-
Constable for Involvement in Criminal Case and Prolonged

संपादकीय

युद्ध की तैयारी आज की ज़रूरत

आज दुनिया एक नाज़ुक दौर से गुज़र रही है, जहाँ कई देश अपनी ताक़त और वर्चस्व दिखाने के लिए सैन्य संघर्षों में उलझे हुए हैं। ऐसी दुनिया में, भारत जैसे देश को—जिसके पड़ोसी पाकिस्तान और चीन हैं—शांति भंग होने की स्थिति में मज़बूत बने रहने के लिए हर संभव कदम उठाने की ज़रूरत है।

किसी देश के लिए युद्ध के लिए तैयार होने के लिए हथियारों का बड़ा ज़ख़ीरा होना ही काफ़ी नहीं है, क्योंकि किसी भी सैन्य संघर्ष के बढ़ने की स्थिति में अपनी संपत्तियों और लोगों को बचाना भी उतना ही ज़रूरी है।

भारत को इज़रायल से यह सीखने की सख्त ज़रूरत है कि युद्ध की स्थिति में हवाई हमलों या आक्रमणों के दौरान अपने नागरिकों को सुरक्षित रखने के लिए एक मज़बूत व्यवस्था कैसे बनाई जाए। ईरान-इज़रायल संघर्ष में यह देखा गया था कि इज़रायल में लोग सुरक्षित रहे, क्योंकि देश के हर कोने में बड़ी संख्या में सामुदायिक बंकर बनाए गए थे; जबकि ईरान में ऐसे बंकरों की कमी के कारण नागरिकों को जान गंवानी पड़ी।

जैसा कि पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देखा गया था, युद्ध का तरीका काफ़ी बदल गया है और आधुनिक युद्ध में ड्रोन का दबदबा बढ़ गया है। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार के लिए यह ज़रूरी हो जाता है कि वह केवल हवाई हमले/ब्लैकआउट मॉक ड्रिल से आगे बढ़कर सोचे और शहरों व कस्बों में सामुदायिक बंकर बनाना शुरू करे—विशेष रूप से उन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जिनकी सीमाएँ ऐसे देशों से लगती हैं जो मित्रवत नहीं हैं और जिनके पास किसी भी समय भारत के ख़िलाफ़ बल प्रयोग करने की क्षमता है।

यह एक अच्छी बात है कि कई राज्य और केंद्र शासित प्रदेश—जिनमें जम्मू-कश्मीर भी शामिल है—तैयारी को मज़बूत करने, विभिन्न एजेंसियों के बीच तालमेल बेहतर बनाने और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणालियों को उन्नत करने के लिए बड़े पैमाने पर नागरिक सुरक्षा मॉक ड्रिल कर रहे हैं; लेकिन अत्याधुनिक सामुदायिक बंकरों का निर्माण करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए, क्योंकि इस तेज़ी से बदलती दुनिया में कोई नहीं जानता कि लोगों को अपनी जान बचाने के लिए इस तरह के बुनियादी ढांचे की ज़रूरत कब पड़ जाएगी।

जहाँ तक जम्मू-कश्मीर का सवाल है, ख़बरों के मुताबिक़ इसकी सीमावर्ती इलाक़ों में 9500 से ज़्यादा बंकर मौजूद हैं, जिन्हें पाकिस्तानी रेंजर्स द्वारा बिना किसी उकसावे के की जाने वाली गोलाबारी के दौरान लोगों को सुरक्षित रखने के लिए बनाया गया है। बताया जाता है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद—जब पाकिस्तान ने इन सीमावर्ती इलाक़ों पर बेधड़क गोलाबारी शुरू कर दी थी—पूंछ, कुपवाड़ा और उरी में बने इन बंकरों से लोगों को काफ़ी राहत मिली थी।

कुल मिलाकर, मौजूदा हालात और पड़ोसी देशों के बीच संबंधों में बनी अनिश्चितता को देखते हुए, भारत जैसा चल रहा है, चलने दो वाला रवैया नहीं अपना सकता; क्योंकि युद्ध के लिए उच्चतम स्तर की तैयारी ही आज की सबसे बड़ी ज़रूरत है

अमेरिका-भारत अंतरिक्ष सहयोग से अब व्यावसायिक साझेदारियां

ज़हूर हुसैन बट, अमेरिकी दूतावास

अमेरिका-भारत अंतरिक्ष सहयोग का नया चरण आकार ले रहा है जो नीतिगत संवाद से कम और निजी क्षेत्र की सक्रियता से अधिक प्रेरित है। यह बदलाव बेंगलुरु में स्पष्ट रूप से दिखाई दिया, जहां दोनों देशों के नीति-निर्माता, उद्योग जगत के लीडर और उद्यमी व्यावसायिक अंतरिक्ष सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए एकत्र हुए। अमेरिकी कांसुलेट, चेन्नई द्वारा आयोजित और यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) के सहयोग से फरवरी 2026 में आयोजित अमेरिका-भारत स्पेस बिज़नेस फोरम में दोनों देशों से 200 से अधिक सरकारी और उद्योग प्रतिभागियों ने भाग लिया, जो व्यावसायिक संबंधों के विस्तार में गहरी रुचि को दर्शाता है।

यह फोरम भारत के लिए पहले अंतरिक्ष क्षेत्र को समर्पित अमेरिकी व्यापार मिशन का प्रमुख आयोजन भी था, जिसे अमेरिकी वाणिज्य विभाग और बिज़नेस काउंसिल फॉर इंटरनेशनल अंडरस्टैंडिंग द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें 14 प्रमुख अमेरिकी अंतरिक्ष कंपनियों के 23 वरिष्ठ अधिकारियों ने भारत का दौरा किया।

समन्वय से क्रियान्वयन तक

रणनीतिक समन्वय से व्यावसायिक क्रियान्वयन की ओर यह बदलाव उन लोगों के लिए पहले से ही स्पष्ट है जो इस जुड़ाव के केंद्र में काम कर रहे हैं। राष्ट्रीय महासागरीय और वायुमंडलीय एडिमिनिस्ट्रेशन के स्पेस कॉमर्स कार्यालय में अंतरराष्ट्रीय संबंध विशेषज्ञ रोज़ क्रोशियर इस फोरम को नीतिगत गति और उद्योग की तीव्र वृद्धि दोनों के प्रति प्रतिक्रिया के रूप में देखती हैं। इस फोरम को प्रेरित करने वाले कई कारक थे लेकिन दो विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। क्रोशियर कहती हैं, भारत के निजी अंतरिक्ष इकोसिस्टम का तेज़ी से परिपक्व होना और अमेरिकी तथा भारतीय नेतृत्व के बीच अभूतपूर्व रणनीतिक समन्वय। वह बताती हैं कि भारत का अंतरिक्ष स्टार्ट-अप इकोसिस्टम, जो अब 400 से अधिक कंपनियों का हो चुका है, उसने सबऑर्बिटल लॉन्च और हाइपरस्पेक्ट्रल इमेजिंग जैसे क्षेत्रों में ठोस उपलब्धियां हासिल की हैं। उनके अनुसार, इन विकासों ने अमेरिकी निजी क्षेत्र को भारत को एक प्रमुख साझेदार के रूप में पहचानने के लिए प्रेरित किया है।

क्रोशियर इस प्रगति को व्यापक ट्रस्ट पहल के संदर्भ में रखती हैं, जो दशकों से चले आ रहे सरकार-से-सरकार सहयोग से एक उत्पादक व्यावसायिक साझेदारी की ओर संक्रमण को दर्शाती है। यदि उस ढांचे ने आधार तैयार किया तो वह जोड़ती हैं, यह फोरम व्यावसायिक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करता है, जो नीतिगत अनुकूल परिस्थितियों को उद्योग की कार्रवाई और सीमा-पार निवेश में परिवर्तित करता है।

यूएसआईएसपीएफ में भारत के लिए प्रबंध निदेशक निवेदिता मेहरा कहती हैं कि अमेरिका-भारत अंतरिक्ष संबंध अब नीतिगत संवाद से आगे बढ़ चुके हैं और क्रियान्वयन के लिए तैयार हैं। कुछ वर्ष पहले, इस तरह की चर्चा मुख्य रूप से कॉन्फ्रेंस रूम और संयुक्त बयानों तक सीमित थी, वह कहती हैं। आज, हम संयुक्त मिशनों, साझा प्लेटफार्मों और वास्तविक व्यावसायिक साझेदारियों को आकार लेते हुए देख रहे हैं।

मेहरा जोड़ती हैं कि यह फोरम निवेश को खोलने, वाणिज्यिक जुड़ाव को विस्तार देने और आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण के निर्माण के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करता है जो दोनों देशों के लिए स्थायी आर्थिक मूल्य पैदा करता है।

परस्पर पूरक शक्तियों का लाभ उठाना

क्रोशियर इस मिलन को एक नए बाज़ार के उद्भव के रूप में वर्णित करती हैं। अमेरिकी वाणिज्य मंत्रालय के असिटेंट सेक्रेटरी टेलर जॉर्डन के वक्तव्य का उल्लेख करते हुए वह कहती हैं, हम अब केवल समानांतर अंतरिक्ष कार्यक्रमों वाले दो राष्ट्र नहीं हैं; हम दो ऐसे इकोसिस्टम हैं जो वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था को परिभाषित करने के लिए एक साथ बुने जा रहे हैं।

अमेरिका उन्नत प्रौद्योगिकियां, गहरे वेंचर कैपिटल नेटवर्क और परिपक्व व्यावसायिक अंतरिक्ष इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदान करता है। वह कहती हैं, गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान, विश्वस्तरीय किफायती इंजीनियरिंग और तेजी से बढ़ता विनिर्माण आधार प्रदान करता है। स्पेस बिज़नेस फोरम जैसी पहलें इन क्षमताओं के बीच पुल का काम करती हैं, जिससे प्रत्यक्ष सहयोग के अवसर पैदा होते हैं।

क्रोशियर बिज़नेस-टू-बिज़नेस मैचमेकिंग सत्रों को रेखांकित करती हैं, जहां 14 अमेरिकी कंपनियों के अधिकारियों ने भारत के स्टार्ट-अप्स के साथ संभावित सौदों और संयुक्त उपक्रमों पर चर्चा की। भारतीय सरकार, विशेष रूप से इसरो और इन-स्पेस की भागीदारी शानदार रही, वह कहती हैं, जहां अंतरिक्ष व्यवसाय के लिए एक 'सक्षम वातावरण' बनाने पर चर्चा केंद्रित रही।

मेहरा उद्योग के दृष्टिकोण से पूरक विचार प्रस्तुत करती हैं और दोनों पक्षों में वास्तविक तात्कालिकता और महत्वाकांक्षा की भावना की ओर संकेत करती हैं। वह कहती हैं कि अमेरिकी कंपनियां भारत के विस्तारित निजी अंतरिक्ष इकोसिस्टम के साथ गंभीरता से जुड़ने के लिए तैयार होकर आईं, जबकि भारतीय कंपनियां तेजी से निर्यात के लिए तैयार हो रही हैं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में एकीकृत होने की दिशा में अग्रसर हैं। वह पृथ्वी अवलोकन, जियोस्पेशियल एनालिटिक्स, उपग्रह निर्माण और डाउनस्ट्रीम अनुप्रयोगों जैसे प्रमुख क्षेत्रों में मज़बूत मिलन की भी ओर इशारा करती हैं।

अवसर से क्रियान्वयन तक

जैसे-जैसे जुड़ाव गहरा होता जा रहा है, क्रोशियर और मेहरा दोनों व्यापारिक रणनीति को नियामक ढांचे के साथ समन्वित करने की आवश्यकता पर जोर देती हैं। क्रोशियर कंपनियों को जल्दी कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। नीतिगत पूर्णता की प्रतीक्षा न करें; अभी से अपने संबंधों का निर्माण शुरू करें, वह कहती हैं। बौद्धिक संपदा से जुड़े मुद्दों और निर्यात नियंत्रण के अंतर जैसी चुनौतियों को स्वीकार करते हुए, वह बताती हैं कि दोनों सरकारें उद्योग की जरूरतों के प्रति तेजी से उत्तरदायी हो रही हैं।

जो कंपनियां अभी विश्वास, गुणवत्ता और अनुपालन मानकों के निर्माण में निवेश करती हैं, वे उभरते अवसरों का लाभ उठाने के लिए सबसे अच्छी स्थिति में होंगी, मेहरा कहती हैं। वह उद्योग विकास को समर्थन देने में निरंतर संस्थागत जुड़ाव की भूमिका पर भी प्रकाश डालती हैं। सिविल स्पेस जॉइंट वर्किंग ग्रुप जैसे प्रयास द्विपक्षीय संवाद को आगे बढ़ाते रहते हैं, जबकि इंडस-एक्स और कॉम्पैक्ट जैसे ढांचे से नवप्रवर्तन संबंधों को मजबूत करने और निकट भविष्य में व्यावसायिक क्रियान्वयन को मदद की उम्मीद है।

क्रोशियर इस प्रगति को व्यापक ट्रस्ट पहल के संदर्भ में रखती हैं, जो दशकों से चले आ रहे सरकार-से-सरकार सहयोग से एक उत्पादक व्यावसायिक साझेदारी की ओर संक्रमण को दर्शाती है। यदि उस ढांचे ने आधार तैयार किया तो वह जोड़ती हैं, यह फोरम व्यावसायिक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करता है, जो नीतिगत अनुकूल परिस्थितियों को उद्योग की कार्रवाई और सीमा-पार निवेश में परिवर्तित करता है।

अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के भविष्य को आकार देना

क्रोशियर कहती हैं कि सार्थक प्रगति में बेहतर एकीकृत आपूर्ति श्रृंखलाएं; समन्वित, स्पष्ट रूप से समझे जाने वाले और पूर्वानुमान हो सकने वाले नियम और अंतरिक्ष में तथा पृथ्वी पर साझा अंतरिक्ष इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल होगी। वह जोड़ती हैं कि सफलता तब स्पष्ट होगी जब सीमा-पार सहयोग घरेलू प्रयासों के समान गति और दक्षता के साथ आगे बढ़ सकेगा। मेहरा इस बात पर जोर देती हैं कि वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का भविष्य सरकारों और उद्योग के बीच समन्वय पर निर्भर करेगा। जब सरकारें और उद्योग एक साथ कदम बढ़ाते हैं तो विस्तार संभव हो जाता है, वह कहती हैं। उनके दृष्टिकोण से प्रगति का आकलन वैश्विक अंतरिक्ष आपूर्ति श्रृंखलाओं में भारतीय कंपनियों के एकीकरण की गहराई और ट्रस्ट, कॉम्पैक्ट और इंडस-एक्स जैसे ढांचों के ठोस परिणामों—जैसे संयुक्त उपक्रम, सह-विकसित प्रौद्योगिकियां और साझा इंफ्रास्ट्रक्चर—के माध्यम से कार्यान्वयन से किया जाएगा। अमेरिका-भारत स्पेस बिज़नेस फोरम केवल एक संगम का क्षण नहीं दर्शाता; यह इस बात में बदलाव को चिह्नित करता है कि दोनों देश अंतरिक्ष क्षेत्र में कैसे जुड़ते हैं। जैसे-जैसे नीतिगत ढांचे परिपक्व होते हैं और उद्योग संबंध गहरे होते हैं, ध्यान तेजी, पैमाने और साझा परिणामों पर अधिक केंद्रित होता जा रहा है। वास्तविक परीक्षा, जैसा कि क्रोशियर और मेहरा दोनों संकेत करती हैं, इस पर निर्भर है कि आगे क्या होता है- विचार कितनी तेजी से निवेश में बदलते हैं और जुड़ाव कितनी जल्दी परिचालन परियोजनाओं में परिवर्तित होता है। गति अब केवल संभावना के बारे में नहीं है; यह क्रियान्वयन के बारे में है।

कमजोर मानसून और आपदा प्रबंधन

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

आगामी मानसून को लेकर पहला पूर्वानुमान जारी करने के साथ मौसम विभाग ने आने वाले मानसून सत्र में सामान्य से कम बरसात के संकेत दिए हैं। हालांकि मानसून पूर्वानुमान अभी और जारी किये जाएंगे पर यह आरंभिक सूचना आने वाले समय के लिए गंभीर संकेत है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार सामान्य से 8 फीसदी तक कम बरसात की संभावना जताई गई है। देश के कई हिस्सों में कम बरसात के संकेत हैं तो कुछ हिस्सों में सामान्य बरसात हो सकती है। माना जा रहा है कि अलनीनो इफेक्ट के चलते मानसून कमजोर रहेगा।

यह सही है कि हमारे मौसम मंत्रालय द्वारा जारी पूर्वानुमान काफी हद तक आसपास रहने लगे हैं। यहां तक कि दो से तीन घंटों में बरसात होने या आंधी-तूफान या ओलावृष्टि तक के पूर्वानुमान खरे उतरने लगे हैं। ऐसे में मौसम विभाग के पूर्वानुमानों को गंभीरता से लेते हुए केन्द्र व राज्यों की सरकारों को अभी से पूर्व तैयारियां करने में जुट जाना चाहिए। खासतौर से आपदा प्रबंधन मंत्रालय को अभी से भावी रणनीति तय करनी होगी। देश में मानसून सीजन में 87 सेमी बरसात होती है जिसके अनुमानों के अनुसार 81 सेमी तक रहने की आशंका है। पूर्वानुमानों को मानें तो साल 2018 में 91 प्रतिशत बरसात हुई थी, उसके बाद के वर्षों में मानसून लगभग अच्छा ही रहा है। पिछले आठ वर्षों में मानसून की स्थिति देखें तो साल 2023 में मानसून अवश्य कमजोर रहा है अन्यथा देश में मानसूनी वर्षा 100 प्रतिशत के आसपास व इससे अधिक रही है।

हमारे देश में मानसूनी बरसात पर निर्भरता अधिक है। जहां खेती में मानसूनी बरसात की निर्भरता बहुत अधिक है तो दूसरी ओर पेयजल को लेकर भी मानसून पर निर्भरता अधिक है। जलाशयों में पानी के भण्डारण और भूजल स्तर भी बरसाती पानी पर निर्भर है। हमारी खेती मुख्यतः मानसून पर निर्भर है। सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता में कमी के कारण मानसून पर खेती 55 से 64 प्रतिशत निर्भर है। पीने के पानी की समस्या भी कमजोर मानसून से प्रभावित होती है। हमारे यहां मानसून की अवधि जून से सितंबर तक रहती है। अब सवाल उठता है कि पिछले वर्षों में मानसून सामान्य से अच्छा रहने के बावजूद कमजोर मानसून की स्थिति से निपटने में हमारी तैयारी अच्छी नहीं मानी जा सकती। अत्यधिक भूजल दोहन और जल संचयन की दीर्घकालिक नीति के अभाव में ठोस परिणाम प्राप्त नहीं हो पाये हैं। ऐसा नहीं है कि नीति नहीं बनती हो या ऐसा भी नहीं है कि जल संचयन के प्रयास नहीं होते हों पर जो परिणाम देखने में आए हैं वह कोई आशाजनक नहीं माने जा सकते। पानी के विवेकपूर्ण उपयोग की बात हमारे यहां बेमानी है। प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण व संधारण में भी हम कुछ अधिक नहीं कर पाये हैं। इसके अलावा दुर्भाग्यजनक बात यह है कि तात्कालिक प्रयास होते हैं। शहरीकरण की आड़ में प्राकृतिक जल स्रोत या तो नष्ट हो गए हैं या उनमें बरसात के पानी जाने के रास्ते अवरुद्ध या बंद हो गए हैं। नदी नालों के रास्ते या तो बंद हो गए हैं या अवरुद्ध हो गए हैं। बरसात के पानी के जलाशयों व रास्तों में अनधिकृत कब्जे, निर्माण और रिसोर्ट बना दिए है। एक समय ऐसा भी आया कि जब विशेषज्ञों ने बरसात के पानी जाने के रास्तों में जगह-जगह एनिकट बनाने की सलाह दे डाली और छोटे-छोटे एनिकट बनने से नदियों-जलाशयों में पानी की आवक प्रभावित हो गई। इससे तात्कालिक यानी एनिकटों में पहले पानी एकत्र तो हुआ पर बाद में इनका रखरखाव नहीं होने से दोहरा नुकसान हुआ।

इसी तरह वर्षा जल संचयन के लिए वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के लिए सरकार ने अरबों रुपये खर्च किये पर उनके निर्माण के आंकड़े पूरे करने के चक्कर में हम भूल गए कि बरसात के पानी इनमें कितना व कैसे जा पाएगा। फिर बरसात से पहले इनकी देखरेख पर भी ध्यान नहीं देने से जो परिणाम मिलने चाहिए थे वे नहीं मिल सके हैं। हमारे दैनिक उपभोग में भी पानी का उपयोग काफी बढ़ा है। आज पेयजल से कई गुणा अधिक पानी टॉयलेट और कूलरों में उपयोग होने लगा है। समय रहते टॉयलेट में कम पानी के उपयोग की कोई राह निकाली जाती तो हालात में सुधार होता। इसी तरह देशभर में वाटर ट्रीटमेंट सिस्टम लगाने का अभियान चला पर इनके परिणाम भी ज्यादा अच्छे नहीं देखे जा रहे। रिसाइकिल पानी को लेकर भी कोई स्पष्ट नीति तय हो तो कुछ हद तक समाधान हो सकता है।

कमजोर मानसून के हालात से निपटने की कार्ययोजना हमें अभी से बनानी होगी। मौसम विभाग ने अप्रैल में यह चेतावनी दे दी है। मानसून जून में आएगा। ऐसे में अभी मई का महीना हमारे पास है। अभी से सरकार को कमर कसनी होगी। कमजोर मानसून के हालात में हमें कम पानी से अधिक बेहतर हालात बनाने के प्रयास करने होंगे। इसके लिए जहां पानी की एक-एक बूंद को सहेजने की रणनीति तैयार करनी होगी, वहीं कृषि मंत्रालय को खरीफ के लिए इस तरह की रणनीति बनानी होगी जिसमें कम पानी के उपयोग से बेहतर फसल तैयार होने वाली फसलों और किस्मों के लिए किसानों को प्रेरित हो सके। खेती किसानी भी प्रभावित ना हो और पैदावार भी अच्छी हो इसकी रणनीति बनानी होगी। अधिक पानी की आवश्यकता वाली फसलों की खेती ना करने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करना होगा। इसी तरह जलाशयों, बांधों में उपलब्ध पानी का प्रबंधन योजनाबद्ध तरीके से करना होगा। अभी से आमजन को पानी के अपव्यय को रोकने के लिए प्रेरित करना होगा।

कहने का अर्थ है कि जब आने वाले हालात की तस्वीर हमारे सामने कमोबेश आ चुकी है तो समय रहते इस तरह की रणनीति बनानी होगी ताकि कमजोर मानसून में भी हमारी जल प्रबंधन क्षमता बेहतर रह सके। आपदा प्रबंधन मंत्रालय को अभी से संबंधित मंत्रालयों, खासतौर से कृषि, जल आपूर्ति करने वाले विभागों, बांधों एवं जलाशयों का प्रबंधन करने वाले विभागों, जल संसाधन विभागों से समन्वय बनाकर रणनीति तैयार करनी होगी। इसके साथ ही आमजन को भी पानी के उपयोग को लेकर अधिक सजग और जिम्मेदार नागरिक के रुप में भूमिका निभानी होगी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

जानलेवा हो सकती है मलेरिया के इलाज में लापरवाही

– योगेश कुमार गोयल

मलेरिया एक गंभीर और कभी-कभी प्राणघातक हो जाने वाली बीमारी है, जो आमतौर पर एक निश्चित प्रकार के मच्छर को संक्रमित करने वाले परजीवी के कारण होती है और इन संक्रमित मच्छरों के काटने से मलेरिया होता है। अमेरिका से करीब 70 साल पहले ही मलेरिया को पूरी तरह खत्म घोषित कर दिया गया था लेकिन अभी भी प्रतिवर्ष दो हजार अमेरिकी इससे संक्रमित होते हैं। भारत में तो हर साल लाखों लोग मलेरिया से संक्रमित होते हैं।

चिंता की स्थिति यह है कि दुनियाभर में मलेरिया से हर साल लाखों लोग मौत के मुंह में समा रहे हैं, जिनमें ज्यादातर छोटे बच्चे हैं। पांच साल से कम उम्र के बच्चे मलेरिया से असमान रूप से प्रभावित होते हैं, जो मलेरिया से होने वाली कुल मौतों का करीब 82 प्रतिशत है। 2021 में मलेरिया से दुनियाभर में 6.19 लाख लोगों की मौत हुई थी जबकि 2022 में 6.08 लाख लोग मलेरिया के कारण मारे गए और 2024 में मलेरिया से 6.1 लाख मौतें दर्ज की गई। हालांकि मलेरिया ऐसी बीमारी है, जिसकी रोकथाम करके बड़ी संख्या में होने वाली इन मौतों को रोका जा सकता है लेकिन यह दुनियाभर में रोकी जा सकने वाली बीमारी और मृत्यु का एक प्रमुख कारण बना हुआ है। इसीलिए मलेरिया को लेकर लोगों में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से 2008 से ही 25 अप्रैल को एक खास विषय के साथ 'विश्व मलेरिया दिवस' मनाया जाता है।

इस वर्ष मलेरिया दिवस की थीम है- 'मलेरिया को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध- अब हम कर सकते हैं। अब हमें करना ही होगा।' इसका प्रमुख संदेश यही है कि मलेरिया मुक्त विश्व के लक्ष्य को प्राप्त करना है। भेदभाव और कलंक को खत्म करना, स्वास्थ्य संबंधी निर्णय लेने में समुदायों को शामिल करना, प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के माध्यम से स्वास्थ्य देखभाल को उस स्थान के करीब लाना, जहां लोग रहते हैं और काम करते हैं, मलेरिया के खतरे को बढ़ाने वाले कारकों को संबोधित करना, सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज में मलेरिया नियंत्रण हस्तक्षेप इत्यादि मलेरिया दिवस मनाने के प्रमुख उद्देश्य हैं।

दरअसल विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि हर किसी को मलेरिया की रोकथाम, पता लगाने और इलाज के लिए गुणवत्तापूर्ण, समय पर और सस्ती सेवाओं का अधिकार तो है लेकिन यह सभी के लिए वास्तविकता नहीं है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार दुनियाभर में मलेरिया के बीस करोड़ से भी ज्यादा नए मामले दर्ज किए जाते हैं, जिनमें से कई लाख लोगों की हर साल मौत हो जाती है। हालांकि स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि मलेरिया की रोकथाम के मामले में बीते कुछ वर्षों में महत्वपूर्ण प्रगति तो हुई है लेकिन मलेरिया के खिलाफ लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है और मलेरिया मुक्त विश्व के लक्ष्य को प्राप्त करना अभी भी गंभीर चुनौती है। चिंता का विषय यह भी है कि प्रभावित क्षेत्रों में यह बीमारी स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों और अर्थव्यवस्थाओं पर बड़ा बोझ भी डालती है।

मलेरिया एनोफेलीज मादा मच्छर के काटने से होता है, जो प्लाज्मोडियम परजीवी से संक्रमित होता है और जब यह मच्छर किसी को काटता है तो ये परजीवी मानव रक्त में प्रवेश करके लिवर तथा लाल रक्त कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाने लगते हैं और व्यक्ति को बीमार बना देते हैं। इस रोग की गंभीरता परजीवी पर ही निर्भर करती है। मनुष्यों में सबसे आम मलेरिया परजीवी 'प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम' है, जो बीमारी के सबसे घातक रूप के लिए जिम्मेदार है।

एनोफेलीज मच्छर वाहक के रूप में कार्य करते हैं, जब वे एक संक्रमित व्यक्ति को काटते हैं और फिर दूसरे व्यक्ति को काटते हैं तो परजीवियों को प्रसारित करते हैं। जब परजीवी एक बार मानव शरीर के अंदर यकृत में चले जाते हैं तो ये लाल रक्त कोशिकाओं के अंदर गुणन करते हैं, जिससे कई प्रकार के लक्षण पैदा होते हैं। मनुष्यों को मलेरिया के चार मुख्य प्रकार (प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम, प्लाज्मोडियम विवैक्स, प्लाज्मोडियम ओवले और प्लाज्मोडियम मलेरिया) संक्रमित करते हैं। प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम सबसे खतरनाक प्रकार है जबकि मलेरिया के अन्य प्रकार आमतौर पर हल्की बीमारी का कारण बनते हैं।

गंभीर मलेरिया गंभीर एनीमिया, गुर्दे की विफलता, दौरे, कोमा और यहां तक कि मृत्यु जैसी जटिलताओं का कारण भी बन सकता है, खासकर यदि तुरंत निदान और इलाज नहीं किया जाए। हालांकि दुनियाभर में शोधकर्ता मलेरिया को नियंत्रित करने और अंततः ख़त्म करने के लिए टीकों और अन्य नवीन समाधानों पर काम कर रहे हैं लेकिन इसकी रोकथाम के मुख्य उपायों में उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में मच्छरदानी, कीट विकर्षक और मलेरिया-रोधी दवाओं का उपयोग करना शामिल है। जटिलताओं और मृत्यु को रोकने के लिए प्रभावी मलेरिया-रोधी दवाओं के साथ शीघ्र निदान और उपचार महत्वपूर्ण है।

मलेरिया होने पर आमतौर पर तेज बुखार होता है, जो 103 से 105 डिग्री तक हो सकता है। सिरदर्द, बदन दर्द, घबराहट, अत्यधिक पसीना आना, जी मिचलाना, उल्टी होना, अत्यधिक ठंड लगना, कमजोरी इत्यादि मलेरिया के अन्य प्रमुख लक्षण हैं। इन लक्षणों को लंबे समय तक नजरअंदाज करना भी खतरनाक हो सकता है। वैसे तो मलेरिया के लक्षण प्रायः 24 से 48 घंटे में ही नजर आ सकते हैं लेकिन कई बार लक्षण सामने आने में ज्यादा समय भी लग सकता है। मलेरिया की जांच से ही पता चल पाता है कि मरीज किस तरह के मलेरिया से ग्रसित है और उसी के आधार पर विभिन्न दवाओं से उसका इलाज शुरू किया जाता है। साधारण मलेरिया होने पर सही इलाज से मरीज 3-5 दिनों में ठीक हो सकता है लेकिन यदि सीवियर फाल्सीपेरम मलेरिया हुआ तो समय पर और सही इलाज नहीं कराने पर मरीज की मौत भी हो सकती है। इसलिए बेहद जरूरी है कि मलेरिया की जांच और इलाज में कोताही न बरतें। गर्मी और मानूसन के दौरान मच्छरों की संख्या बहुत बढ़ जाती है, इसलिए आमतौर पर मलेरिया इन्हीं मौसम में सबसे ज्यादा होता है। वैसे मलेरिया के मच्छर अधिकांशतः उन्हीं जगहों पर पनपते हैं, जहां गंदगी होती है या गंदा पानी जमा होता है। इसलिए मलेरिया की रोकथाम के लिए सबसे जरूरी है कि अपने घरों में तथा आसपास गंदगी और गंदा पानी एकत्र न होने दें।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

पाकिस्तान ने भारत में होने वाली सैफ विमेंस चैंपियनशिप से नाम वापस लिया

एजेंसी

लाहौर । पाकिस्तान ने सैफ विमेंस चैंपियनशिप 2026 से अपना नाम वापस ले लिया है। यह फैसला भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते राजनीतिक तनाव के कारण लिया गया है। पाकिस्तान फुटबॉल फेडरेशन (पीएफएफ) ने इसकी आधिकारिक पुष्टि की है। सैफ विमेंस चैंपियनशिप का आयोजन 25 मई से 6 जून तक गोवा के मडगांव स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में होना है। पाकिस्तान के हटने के बाद अब यह प्रतियोगिता छह टीमों के साथ ही खेली जाएगी। टूर्नामेंट के लिए ड्रॉ पहले ही हो चुका है, जिसमें बाकी टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। इन टीमों में भारत (मेजबान), नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश (डिफेंडिंग चैंपियन), भूटान और मालदीव शामिल हैं। यह दूसरी बार है जब भारत इस टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है। इससे पहले साल 2016 में सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल में सैफ टूर्नामेंट का आयोजन हुआ था, जहां भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना चौथा खिताब जीता था। वहीं, गोवा में दूसरी बार यह टूर्नामेंट खेला जाएगा। इससे पहले साल 1999 में यहां पुरुषों की चैंपियनशिप आयोजित हुई थी। पाकिस्तान के इस फैसले से उसकी महिला फुटबॉल टीम को बड़ा नुकसान हो सकता है। लंबे समय से प्रशासनिक समस्याओं और कम अंतरराष्ट्रीय मैचों के कारण टीम को ऐसे टूर्नामेंट की जरूरत थी, जहां वह अपने खिलाड़ियों को मौका दे सके।

शहीद भगत सिंह ट्रॉफी : सेमीफाइनल की टीमें तय, हैदराबाद, कोलकाता, पंजाब और हरियाणा ने मारी बाजी

पंचकूला। ताऊ देवी लाल क्रिकेट स्टेडियम में खेली जा रही 52वीं अखिल भारतीय शहीद भगत सिंह ट्रॉफी के सेमीफाइनल समीकरण साफ हो गए हैं। अंडर-16 क्रिकेट के इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए हैदराबाद, कोलकाता, पंजाब और हरियाणा की टीमों ने अंतिम चार में अपनी जगह पक्की कर ली है। मैच 1: कोलकाता बनाम बिहार (कोलकाता 3 विकेट से जीता) दिन के पहले रोमांचक मुकाबले में कोलकाता ने बिहार को शिकस्त दी।

बिहार: 25 ओवर में 211/3 (प्रखर ज्ञान: 90* रन)

कोलकाता: 23.4 ओवर में 212/7 (मुहम्मद अतीब: 86 रन)

प्लेयर ऑफ द मैच: मुहम्मद अतीब (कोलकाता)

मैच 2: पंजाब बनाम श्रीलंका (पंजाब 8 विकेट से जीता)

पंजाब की टीम ने अंतरराष्ट्रीय प्रतिद्वंद्वी श्रीलंका पर एकतरफा जीत दर्ज की। पंजाब के गेंदबाज रणविजय की घातक गेंदबाजी के आगे श्रीलंका की टीम ताश के पत्तों की तरह ढह गई। श्रीलंका: 14.1 ओवर में 98 रन पर ऑल आउट (रणविजय: 5 विकेट)

पंजाब: 12.2 ओवर में 100/2 (कार्तिक राणा: 50* रन)

प्लेयर ऑफ द मैच: रणविजय (पंजाब)

मैच 3: हैदराबाद बनाम बंगाल (हैदराबाद 5 विकेट से जीता)

हैदराबाद के गेंदबाजों ने बंगाल की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी और मामूली लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया।

ला लीगा: बार्सिलोना ने सेल्टा विगो को हराया, लामिन यामल इंजर्ड हुए

मैड्रिड । एफसी बार्सिलोना ने सेल्टा विगो को अपने घर में 1-0 से हराकर ला लीगा में रियल मैड्रिड पर नौ अंकों की बढ़त बना ली। इस जीत के लिए बार्सिलोना को कड़ी मेहनत करनी पड़ी। टीम को लामिन यामल के रूप में बड़ा झटका लगा। स्टार खिलाड़ी लामिन यामल को हैमस्ट्रिंग इंजरी की वजह से बाहर होना पड़ा। सेल्टा ने पहले हाफ में काउंटरअटैक में दिक्कतें पैदा कीं, लेकिन बार्सिलोना ने तब बढ़त बनाई जब यामल डिफेंस को भेदते हुए गिर गए। फॉरवर्ड ने पेनल्टी को गोल में बदला, लेकिन बॉल को हिट करते समय उसकी हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई और उसे बाहर जाना पड़ा। स्टैंड में मेडिकल इमरजेंसी के कारण मैच 15 मिनट के लिए रोक दिया गया था। शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, दूसरे हाफ में फेरान टोरेस का एक गोल मामूली ऑफसाइड की वजह से रद्द कर दिया गया। दूसरी तरफ, डिएगो शिमोन ने कोपा डेल रे फाइनल में हार के बाद अपनी एटलेटिको मैड्रिड टीम में बड़े बदलाव किए, लेकिन उनकी टीम एल्चे से 3-2 से हार गई, जो इस जीत के साथ रेलीगेशन जोन से बाहर हो गई।

एर्लिंग हालैंड के गोल से मैनचेस्टर सिटी ने बर्नले को 1-0 से हराया

बर्नले । मैनचेस्टर सिटी ने बर्नले को 1-0 से हराकर प्रीमियर लीग की अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। अगस्त के बाद यह पहला मौका है जब सिटी टॉप पर पहुंची है। इससे आर्सेनल का लंबे समय से चला आ रहा दबदबा भी समाप्त हो गया। इस हार के साथ बर्नले का रेलिगेशन तय हो गया, जो टीम के लिए बड़ा झटका साबित हुआ। मैच की शुरुआत से ही सिटी ने आक्रामक अंदाज दिखाया और पांचवें मिनट में ही बढ़त बना ली। एर्लिंग हालैंड ने शानदार गोल किया। यह सीजन का उनका 35वां गोल था। शुरुआती बढ़त के बाद भी सिटी ने लगातार दबाव बनाए रखा, लेकिन कई मौकों को भुनाने में नाकाम रही। बर्नले ने भी बीच-बीच में पलटवार किए और बराबरी के करीब पहुंची, लेकिन सिटी की डिफेंस मजबूत रही। खासकर एक मौके पर अब्दुकोदिर खुसानोव ने शानदार ब्लॉक कर टीम को बढ़त बनाए रखने में मदद की।

आईपीएल में मुंबई इंडियंस की सबसे बड़ी हार, चेन्नई ने 103 रनों की जीत दर्ज कर रचा इतिहास

एजेंसी

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में खेले गए मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने मुंबई इंडियंस को 103 रनों के बड़े अंतर से हराकर इतिहास रच दिया। वानखेड़े स्टेडियम में मिली यह जीत चेन्नई की आईपीएल इतिहास में सबसे बड़ी जीत है, वहीं मुंबई की यह सबसे बड़ी हार साबित हुई।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 207 रन बनाए। टीम की जीत के नायक संजू सैमसन रहे, जिन्होंने 54 गेंदों में नाबाद 101 रन की तूफानी पारी खेली। उनकी पारी में 10 चौके और 6 छक्के शामिल रहे। उनके अलावा ऋतुराज गायकवाड़ (22), डेवाल्ड ब्रेविस (21) और जेमी ओवर्टन (15) ने भी योगदान दिया। 208 रन के लक्ष्य का पीछा

करने उतरी मुंबई की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने महज 11 रन तक तीन विकेट गंवा दिए। सूर्यकुमार यादव (36) और तिलक वर्मा (37) ने 73 रनों की साझेदारी कर कुछ उम्मीद जगाई, लेकिन इसके बाद विकेटों का पतन जारी रहा। हार्दिक पांड्या सिर्फ एक रन बनाकर आउट हुए और पूरी टीम 104 रन पर सिमट गई। गेंदबाजी में चेन्नई की ओर से अकील हुसैन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 ओवर में 17 रन देकर 4 विकेट झटके। उनके अलावा नूर अहमद ने 2 विकेट लिए, जबकि मुकेश चौधरी, गुरजपनीत सिंह और जेमी ओवर्टन को एक-एक सफलता मिली। यह जीत कई रिकॉर्ड लेकर आई। चेन्नई ने मुंबई के खिलाफ सबसे ज्यादा जीत दर्ज करने वाली टीम बनने का गौरव हासिल किया। वहीं रनों के अंतर से यह मुकाबला आईपीएल में चेन्नई की सबसे बड़ी जीत और मुंबई की सबसे बड़ी हार के रूप में दर्ज हो गया। इस जीत के साथ चेन्नई सुपर किंग्स अंक तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गई है, जबकि मुंबई इंडियंस आठवें स्थान पर खिसक गई है।

दिल्ली कैपिटल्स ने बेन डकेट की जगह रेहान अहमद को टीम में किया शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के बाकी मैचों के लिए इंग्लैंड के युवा स्पिनर रेहान अहमद को बेन डकेट के स्थान पर टीम में शामिल किया है। रेहान अहमद दाएं हाथ के लेग स्पिनर हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रभावशाली प्रदर्शन कर चुके हैं। उन्होंने इंग्लैंड के लिए अब तक 5 टेस्ट, 9 एकदिवसीय और 13 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं, जिनमें कुल 49 विकेट अपने नाम किए हैं। फ्रैंचाइजी के अनुसार, रेहान अहमद को 75 लाख रुपये की कीमत पर टीम में जोड़ा गया है। माना जा रहा है कि उनकी स्पिन गेंदबाजी दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती देगी, खासकर टूर्नामेंट के निर्णायक चरण में। बेन डकेट की अनुपस्थिति में टीम को एक संतुलित विकल्प की जरूरत थी, जिसे रेहान अहमद के रूप में पूरा करने की कोशिश की गई है। युवा होने के बावजूद रेहान के पास अंतरराष्ट्रीय अनुभव है, जो टीम के लिए अहम साबित हो सकता है। दिल्ली कैपिटल्स इस सीजन में बेहतर प्रदर्शन की कोशिश कर रही है और नए खिलाड़ी के शामिल होने से टीम को आगामी मुकाबलों में मजबूती मिलने की उम्मीद है।

प्राची गायकवाड़ का स्वर्णिम निशाना, भारत फिर पदक तालिका में शीर्ष पर

एजेंसी

काहिरा। मिस्र की राजधानी काहिरा में चल रहे आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप में भारतीय निशानेबाजों का शानदार प्रदर्शन जारी है। प्राची गायकवाड़ ने महिला 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशंस स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर भारत को फिर से पदक तालिका में शीर्ष पर पहुंचा दिया। प्राची ने फाइनल में 354.6 अंक हासिल किए और कड़े मुकाबले में इंडिविजुअल न्यूट्रल एथलीट दरिया चुप्रिस (354.4) को मात्र 0.2 अंक से पीछे छोड़ दिया। वहीं, एलेना क्रेटिनिना ने 343.3 अंक के साथ कांस्य पदक जीता।

इसी दिन नरेन प्रणव ने जूनियर पुरुष 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में 229.5 अंक के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। इस स्पर्धा में भारत के तीन निशानेबाजों ने फाइनल में जगह बनाई थी। नरेन ने क्वालिफिकेशन में 630.9 अंक हासिल कर तीसरा स्थान पाया, जबकि अभिनव शॉ और दिव्यांशु देवांगन ने भी फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में दिव्यांशु शुरुआती

दौर में ही बाहर हो गए, जबकि नरेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक की दौड़ में खुद को बनाए रखा। उन्होंने 10.7 और फिर 10.9 का बेहतरीन स्कोर कर रजत पदक के लिए भी चुनौती दी, लेकिन अंततः कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। इस स्पर्धा का स्वर्ण उज्बेकिस्तान के जावोहिर सोखिबोव ने जीता।

इससे पहले शिवा नरवाल ने 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। अब भारत के खाते में कुल दो स्वर्ण, चार रजत और तीन कांस्य पदक हो गए हैं, जिससे वह पदक तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गया है। प्राची गायकवाड़ ने क्वालिफिकेशन में 578 अंक हासिल कर छठे स्थान से फाइनल में प्रवेश किया था। फाइनल के दौरान उन्होंने शानदार वापसी करते हुए निर्णायक क्षणों में सटीक निशाने लगाए और जीत सुनिश्चित की।इस बीच, वंशिका चौधरी, सेजल कांबले और कनक ने जूनियर महिला 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है।

चेन्नई सुपर किंग्स ने आयुष म्हात्रे की जगह आकाश मधवाल को टीम से जोड़ा

एजेंसी

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने आईपीएल 2026 के बीच अपने गेंदबाजी आक्रमण को मजबूत करते हुए तेज गेंदबाज आकाश मधवाल को टीम में शामिल किया है। वो चोटिल बल्लेबाज आयुष म्हात्रे की जगह लेंगे, जो हैमस्ट्रिंग चोट के कारण पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं।

आकाश मधवाल को 30 लाख रुपये में टीम से जोड़ा गया है। मधवाल का आईपीएल सफर काफी दिलचस्प रहा है। उन्होंने 2019 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के साथ नेट गेंदबाज के रूप में शुरुआत की थी। इसके बाद 2022 में मुंबई इंडियंस ने उन्हें चोटिल सूर्यकुमार यादव के स्थान पर टीम में शामिल किया था, हालांकि उस सीजन उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला। साल 2023 में मधवाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 8 मैचों में 14 विकेट झटके। उनका सबसे यादगार प्रदर्शन लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में रहा, जहां उन्होंने 5 विकेट लेकर सिर्फ 5 रन दिए थे।

इसके बाद 2025 के मेगा ऑक्शन में राजस्थान रॉयल्स ने पंजाब किंग्स को पछाड़ते हुए उन्हें 1.20 करोड़ रुपये में खरीदा, लेकिन वहां उन्हें ज्यादा मौके नहीं मिले और बाद में रिलीज कर दिया गया। हालांकि, अगले ऑक्शन में उन्हें कोई खरीदार नहीं मिला, लेकिन अब चेन्नई सुपर किंग्स ने उन्हें मौका देकर अपने गेंदबाजी विकल्पों को मजबूती दी है। टीम पहले ही चोटों से जूझ रही है, जहां नाथन एलिस टूर्नामेंट से पहले और खलील अहमद बीच सीजन में चोटिल होकर बाहर हो चुके हैं। ऐसे में आकाश मधवाल का टीम में शामिल होना चेन्नई सुपर किंग्स के लिए अहम माना जा रहा है, जो इस सीजन में संतुलन बनाने की कोशिश कर रही है।

थॉमस-उबर कप में सिंधु, सेन के दम पर भारत की खिताबी दावेदारी, साई ने दी 1.45 करोड़ रुपये की मदद

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन टीम आगामी बीडब्ल्यूएफ थॉमस एवं उबर कप फाइनल्स में दमदार प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी। इस प्रतिष्ठित टीम चैंपियनशिप का आयोजन 24 अप्रैल से 3 मई तक डेनमार्क के हॉर्सेन्स में किया जाएगा। टूर्नामेंट से पहले भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने टीम को 1.45 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय और लॉजिस्टिक सहायता प्रदान की है। भारत के 34 सदस्यीय दल में 20 खिलाड़ी, पांच कोच और नौ सपोर्ट स्टाफ हैं। टीम में पीवी सिंधु, लक्ष्य सेन, किदांबी श्रीकांत और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी की जोड़ी जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के साथ उभरते प्रतिभाशाली खिलाड़ी भी शामिल हैं। टीम में टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) के कोर और डेवलपमेंट ग्रुप के कई खिलाड़ी भी मौजूद हैं। थॉमस कप में भारतीय पुरुष टीम को कनाडा, ऑस्ट्रेलिया

और चीन के साथ ग्रुप में रखा गया है, जबकि उबर कप में भारतीय महिला टीम डेनमार्क, यूक्रेन और चीन से भिड़ेगी। भारत ने 2022 में इतिहास रचते हुए इंडोनेशिया को हराकर पहली बार थॉमस कप का खिताब जीता था, जिससे देश ने पुरुष टीम बैडमिंटन में अपनी वैश्विक पहचान मजबूत की। साई की ओर से स्वीकृत 1.45 करोड़ रुपये की सहायता में खिलाड़ियों और स्टाफ के हवाई यात्रा, आवास, वीज़ा, एक्रेडिटेशन, दैनिक भत्ता, भोजन, बीमा और अन्य खर्च शामिल हैं। इसके अलावा टीम के साथ विशेषज्ञ कोच, फिजियोथेरेपिस्ट, ट्रेनर और मसाजर भी भेजे गए हैं, ताकि खिलाड़ियों को हर स्तर पर बेहतर समर्थन मिल सके। गौरतलब है कि 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में बैडमिंटन शामिल नहीं है, ऐसे में थॉमस और उबर कप भारतीय बैडमिंटन के लिए काफी महत्वपूर्ण हो जाते हैं। वहीं, 2030 में भारत में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में बैडमिंटन की वापसी की उम्मीद है। थॉमस कप टीम: लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी, किदांबी श्रीकांत, एचएस प्रणय, किरण जॉर्ज, सात्विकसाईराज, चिराग शेट्टी, हरिहरन अम्साकरुणन, एम आर अर्जुन, ध्रुव कपिला। उबर कप टीम: पीवी सिंधु, उन्नति हुड्डा, तन्वी शर्मा, ईशरानी बरुआ, देविका सिहाग, गायत्री गोपीचंद, त्रेशा जॉली, एस काविप्रिया, सिमरन सिंघी, तनिषा क्रिस्टो।

प्रियांश और वैभव पहले से जानते हैं कि उन्हें कैसे खेलना है: पुजारा

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में प्रियांश आर्य और वैभव सूर्यवंशी ने अपनी चमक बिखेरी है। दोनों खिलाड़ियों ने पावर-प्ले में विस्फोटक शुरुआत देते हुए अपनी उम्र से कहीं अधिक समझदारी के साथ खेलने का इरादा दिखाया है। भारत के पूर्व टेस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने बताया कि आर्य और सूर्यवंशी की सफलता का राज यह है कि उन्हें ठीक-ठीक पता है कि उन्हें टी20 क्रिकेट कैसे खेलना है। पुजारा ने 'जियोहॉटस्टार' के 'चैंपियंस वाली कमेंट्री' में इन खिलाड़ियों की तारीफ में कहा, 'मेरे लिए जो बात सबसे अलग है, वह सिर्फ उनकी स्ट्रोक-प्ले नहीं, बल्कि उनकी सोच की स्पष्टता है। इस उम्र में, ज्यादातर खिलाड़ी अभी भी यह समझने की कोशिश कर रहे होते हैं कि वे किस तरह के खिलाड़ी हैं, लेकिन प्रियांश और वैभव को पहले से ही पता है कि उन्हें यह खेल कैसे खेलना है। यह सिर्फ बिना सोचे-समझे हिट करने के बारे में नहीं है। यह अपने इरादे पर बिना किसी हिचकिचाहट के टिके रहने के बारे में है। वैभव अपनी जबरदस्त, बेजोड़ ताकत दिखाते हैं, जबकि प्रियांश गेंद को खेलने के लिए वह समय देते हैं, जो आप किसी को सिखा नहीं सकते। साथ मिलकर, वे पावर-प्ले के मायने बदल रहे हैं। इससे भी ज्यादा अहम बात यह है कि वे यह सब अपने ही अंदाज में कर रहे हैं। जाहिर है, वे आगे भी सीखते रहेंगे और बेहतर होते जाएंगे, लेकिन इतनी कम उम्र में मैं जो कुछ देख रहा हूं, वह बहुत ही रोमांचक है। ' आर्य और सूर्यवंशी के प्रदर्शन ने 5 मुख्य खूबियों को उजागर किया है। अपनी उम्र से कहीं ज्यादा निडरता, टी20 क्रिकेट के लिए खास तौर पर बनाई गई खेल की रणनीति, जबरदस्त ताकत और बेहतरीन टाइमिंग का मेल, जिससे उन्हें बड़े रन बनाने में मदद मिलती है।

दीपिका और तरुणदीप ने तीरंदाजी को राष्ट्रमंडल खेल 2030 में फिर से शामिल किए जाने को लेकर जताई उम्मीद

एजेंसी

दिल्ली। भारत साल 2030 में अहमदाबाद (गुजरात) में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करने जा रहा है। प्रस्तावित आयोजन को 2026 में ग्लासगो में होने वाले सीमित संस्करण की तुलना में अधिक विस्तृत और भव्य बनाने की योजना है। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों (23 जुलाई-2 अगस्त) में केवल 10 खेल और 6 पैरा स्पोर्ट्स शामिल होंगे, जबकि 2030 संस्करण में शूटिंग, कुश्ती, बैडमिंटन और तीरंदाजी जैसे प्रमुख खेलों की वापसी की संभावना जताई जा रही है। भारतीय तीरंदाजी की दिग्गज खिलाड़ी दीपिका कुमारी और अनुभवी तीरंदाज तरुणदीप राय ने 2030 में तीरंदाजी को फिर से शामिल किए जाने को लेकर आशा व्यक्त की है। दीपिका कुमारी, जिन्होंने 2010 दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों में महिला व्यक्तिगत रिकर्व वर्ग में भारत को ऐतिहासिक स्वर्ण पदक दिलाया था, ने साई मीडिया के हवाले से कहा, '2010 राष्ट्रमंडल खेल मेरे करियर के लिए बहुत बड़ा मोड़ था, क्योंकि 16 साल की उम्र में मैंने उस खेल में चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया, जो उस समय ज्यादा लोकप्रिय नहीं था। उस समय मैं अपनी उपलब्धि का महत्व पूरी तरह नहीं समझ पाई थी, लेकिन मेरे अनुसार उस जीत के बाद भारत में तीरंदाजी को काफी बढ़ावा मिला। बहुत से लोगों को इस खेल के बारे में जानकारी मिली और देश में अन्य खेलों के प्रति भी जागरूकता बढ़ी, क्योंकि लोगों ने उन्हें करीब से देखा। 'उन्होंने आगे कहा, 'जिस तरह 2010 में हमने राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन किया था, मुझे विश्वास है कि 2030 का आयोजन उससे भी बड़ा और बेहतर होगा। हम तीरंदाज लंबे समय से इस बहु-देशीय प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले पाए हैं और उम्मीद है कि 2030 में तीरंदाजी की वापसी होगी। 'वहीं, तीन बार के ओलंपियन तरुणदीप राय ने कहा, '2010 राष्ट्रमंडल खेल मेरे लिए बेहद खास अनुभव था। उसके बाद मैंने तीरंदाजी के क्षेत्र में बड़ा बदलाव देखा। बुनियादी ढांचे में सुधार हुआ और खिलाड़ियों की तकनीकी क्षमता व ज्ञान में भी वृद्धि हुई। उस समय देश में करीब 400 तीरंदाज थे, लेकिन अब यह संख्या बढ़कर 30,000 से अधिक सक्रिय तीरंदाजों तक पहुंच गई है। आज स्थिति यह है कि लगभग 100 तीरंदाज किसी भी दिन भारतीय टीम में जगह बनाने की क्षमता रखते हैं, जो 2010 के बाद एक बड़ा बदलाव है। ' उन्होंने आगे कहा, 'भारत का 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करना हम सभी खिलाड़ियों के लिए गर्व का क्षण है। मेरा मानना है कि यदि भारत हर 5 या 10 साल में इस स्तर के आयोजन करे, तो देश के खेल पारिस्थितिकी तंत्र में बड़ा बदलाव आएगा। 2030 के आयोजन से नई प्रतिभाएं सामने आएंगी और अधिक बच्चे खेल को करियर के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित होंगे। '

थॉमस और उबर कप 2026: पुरुष टीम इतिहास दोहराने को तैयार, महिला टीम की निगाह मजबूत प्रदर्शन पर

एजेंसी

नई दिल्ली। थॉमस और उबर कप 2026 में भारतीय बैडमिंटन टीम एक बार फिर दमदार प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी। जहां पुरुष टीम खिताब दोहराने की कोशिश करेगी, वहीं महिला टीम से भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। भारतीय पुरुष टीम अपने अभियान की शुरुआत कनाडा के खिलाफ करेगी। इसके बाद टीम 27 अप्रैल को ऑस्ट्रेलिया और 29 अप्रैल को चीन से भिड़ेगी। चार साल पहले भारत ने इतिहास रचते हुए पहली बार थॉमस कप खिताब जीता था, जिसे बैडमिंटन का वर्ल्ड टीम चैंपियनशिप माना जाता है। उस समय किदांबी श्रीकांत, एच.एस. प्रणय, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी जैसे खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए डेनमार्क, मलेशिया और इंडोनेशिया जैसी टीमों को हराया था। हालांकि, दो साल बाद खिताब बचाने का सपना चीन के खिलाफ क्वार्टरफाइनल में टूट गया। इस बार

भारतीय टीम उसी कोर के साथ उतर रही है, जिसमें युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी का उत्साह भी शामिल है। आयुष ने हाल ही में बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 61 साल बाद फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय बनने का गौरव हासिल किया। वहीं लक्ष्य सेन ने ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में लगातार दूसरा उपविजेता स्थान हासिल किया। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी भी चोट से उबरकर वापसी कर रही है, जिससे टीम और मजबूत नजर आ रही है। हालांकि, किदांबी श्रीकांत और एच.एस. प्रणय हालिया फॉर्म में संघर्ष कर रहे हैं, ऐसे में युवा खिलाड़ियों पर ज्यादा जिम्मेदारी होगी। ग्रुप ए में भारत को कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और 11 बार की चैंपियन चीन जैसी मजबूत टीमों से चुनौती मिलेगी। टीम के क्वार्टरफाइनल तक पहुंचने की उम्मीद है, हालांकि कनाडा के विक्टर लाई और ब्रायन यांग जैसे खिलाड़ी चुनौती पेश कर सकते हैं।

मोहम्मद नवाज की टी20 वर्ल्ड कप के दौरान नशीली दवा के इस्तेमाल पर पहली प्रतिक्रिया आई सामने

लाहौर : पाकिस्तान के अनुभवी ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज ने इस साल की शुरुआत में भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में हुए टी20 विश्व कप के दौरान डोप परीक्षण में पॉजिटिव पाए जाने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) को अपना जवाब सौंप दिया है जिसमें उन्होंने जोर देकर कहा है कि उन्होंने जानबूझकर कोई भी प्रतिबंधित पदार्थ नहीं लिया था। PCB के एक सूत्र ने बताया कि नवाज ने जानबूझकर किसी भी प्रतिबंधित पदार्थ या मौज-मस्ती के लिए नशीले पदार्थों का इस्तेमाल करने से इनकार किया है। सूत्र ने दावा किया, 'उन्होंने बताया है कि उन्होंने स्वास्थ्य संबंधी किसी समस्या के लिए कुछ दवाएं ली थीं लेकिन कोई भी नशीला पदार्थ नहीं लिया।' विश्व कप के दौरान अधिकारियों द्वारा किए गए परीक्षण में पॉजिटिव पाए जाने के बाद नवाज पर ड्रग्स के कथित इस्तेमाल को लेकर ICC और PCB की जांच चल रही है। इस बाएं हाथ के स्पिनर को पाकिस्तान सुपर लीग में मुल्तान सुल्तान्स के लिए खेलने की अनुमति दे दी गई है लेकिन ICC कुछ दिनों में PCB को आगे की कार्रवाई के बारे में सूचित करेगा। यदि ICC उनके स्पष्टीकरण से संतुष्ट नहीं होता है तो नवाज पर क्रिकेट से पूरी तरह से प्रतिबंध लग सकता है।

एनआरएआई नेशनल जजेस कोर्स 2026 की नई दिल्ली में शुरुआत

एजेंसी

नई दिल्ली। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) का नेशनल जजेस कोर्स 2026, जो एनआरएआई एजुकेशन प्रोग्राम के तहत इस वर्ष का दूसरा राष्ट्रीय जजेस कोर्स है, दिल्ली एनसीआर के गोल्डफिंच होटल में शुरू हुआ।

26 अप्रैल तक चलने वाला यह कोर्स देशभर से इच्छुक और मौजूदा तकनीकी अधिकारियों को एक मंच पर ला रहा है। उद्घाटन समारोह में एनआरएआई के महासचिव पवन कुमार सिंह और सचिव राजीव भाटिया उपस्थित रहे, जिन्होंने औपचारिक रूप से कोर्स का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम का संचालन विशेषज्ञ धीरज सिंह और अरुण वरेशी द्वारा किया जाएगा, जो प्रतिभागियों को शूटिंग खेलों में निर्णयन (ऑफिशिएटिंग) के तकनीकी और व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराएंगे। यह पहल भारत में शूटिंग के तकनीकी ढांचे को मजबूत करने और प्रशिक्षित व सक्षम जज तैयार करने की एनआरएआई की निरंतर कोशिशों का हिस्सा है। इस कोर्स के प्रतिभागियों को जून 2026 में आयोजित होने वाले

आगामी आईएसएसएफ 'बी' जजेस कोर्स में भाग लेने का अवसर भी मिलेगा। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए पवन कुमार सिंह ने प्रतियोगिताओं की निष्पक्षता, पारदर्शिता और सुचारु संचालन सुनिश्चित करने में जजों और ज्यूरी की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शूटिंग भारत के सबसे सफल ओलंपिक खेलों में से एक है, ऐसे में उच्च स्तर बनाए रखने के लिए प्रशिक्षित तकनीकी अधिकारियों का योगदान और भी महत्वपूर्ण हो जाता है।

इस अवसर पर उन्होंने एनआरएआई की विरासत का भी उल्लेख करते हुए कहा, 'एनआरएआई की स्थापना 1951 में महान हस्तियों जैसे जी.वी. मावलंकर, पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री, उत्तर प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री जी.बी. पंत और महाराष्ट्र के पहले मुख्यमंत्री यशवंतराव चव्हाण सहित कई स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्रीय नेताओं के नेतृत्व में हुई थी। 75 वर्ष पूरे करने के इस अवसर पर हम उनके दृष्टिकोण और मूल्यों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ' भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि एनआरएआई ने इस वर्ष 7.5 लाख नए स्कूली छात्रों को शूटिंग से परिचित कराने का लक्ष्य रखा है, जिससे जमीनी स्तर पर प्रतिभा को विकसित किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशिक्षित जज और अधिकारी इस विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और सभी स्तरों पर उच्च गुणवत्ता वाली प्रतियोगिताओं को सुनिश्चित करेंगे। एनआरएआई नेशनल जजेस कोर्स भारतीय शूटिंग में एक मजबूत और पेशेवर ऑफिशिएटिंग ढांचा तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बना हुआ है, जो अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप अगली पीढ़ी के तकनीकी अधिकारियों को तैयार करने में मदद करेगा।

चावल, चीनी, दालों के भाव टूटे, गेहूं मजबूत, खाद्य तेलों में घट-बढ़

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में गुरुवार को चावल का औसत भाव गिर गया। चावल के साथ चीनी और दालों में भी नरमी देखी गयी। गेहूं में तेजी का रुख रहा, जबकि खाद्य तेलों में घट-बढ़ रही। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 75 रुपये टूटकर 3,768 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं पांच रुपये महंगा हुआ और 2,779 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे की कीमत 17 रुपये गिर गयी। दाल-दलहनों में नरमी रही। उड़द दाल 54 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। तुअर दाल की कीमत 49 रुपये और मसूर दाल की 47 रुपये टूट गयी। मूंग दाल 43 रुपये और चना दाल 19 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गयी। मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में जुलाई का पाम ऑयल वायदा 49 रिंगिट गिरकर 4,579 रिंगिट प्रति टन रह गया। जुलाई का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ 70.85 सेंट प्रति पौंड के भाव बोला गया। स्थानीय बाजारों में पाम ऑयल की औसत कीमत 189 रुपये और सूरजमुखी तेल की 116 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गयी। मूंगफली तेल 99 रुपये और वनस्पति 85 रुपये सस्ता हुआ। सरसों तेल में 49 रुपये की गिरावट रही। वहीं, सोया तेल 17 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव 40 रुपये प्रति क्विंटल घट गया। चीनी भी तीन रुपये सस्ती हुई।

होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही रुकी, वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी

एजेंसी

नई दिल्ली। ईरान द्वारा दो जहाजों को जब्त करने के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही ठप्प हो गई है, जिनमें एक गुजरात के कांडला बंदरगाह जा रहा था। इससे तेल और गैस की सप्लाई को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है, क्योंकि दुनिया के करीब 20 प्रतिशत ऊर्जा निर्यात इसी रास्ते से गुजरते हैं। इसका असर तेल की कीमतों पर दिखा, जहां ब्रेंट क्रूड 103 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गया। भारत अपनी एलपीजी का बड़ा हिस्सा और करीब 50 प्रतिशत कच्चा तेल फारस की खाड़ी से आयात करता है। होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने से इस पर असर पड़ा है। हालांकि, सरकार आयात के स्रोतों में विविधता ला रही है और एलपीजी का घरेलू उत्पादन बढ़ा रही है। कुछ उपभोक्ता अब प्राकृतिक गैस, कोयला और इलेक्ट्रिक कुकटॉप जैसे विकल्पों की ओर भी बढ़ रहे हैं।

अमेरिका के साथ बातचीत में ईरान के मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा कि अमेरिका और इजरायल द्वारा युद्धविराम के उल्लंघन के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलना 'संभव नहीं' है। उन्होंने एक्स (ट्विटर) पर कहा कि इन उल्लंघनों में ईरानी बंदरगाहों की अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी और इजरायल की आक्रामक गतिविधियां शामिल हैं। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने कहा कि ईरान बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन समझौते का उल्लंघन, नाकेबंदी और धमकियां असली बातचीत में बाधा हैं।

इस बीच, भारतीय झंडे वाला तेल टैंकर 'देश गरिमा' बुधवार को सुरक्षित रूप से मुंबई पहुंच गया। यह जहाज 97,000 मीट्रिक टन से अधिक कच्चा तेल और 31 भारतीय क्रू मेंबर के साथ होर्मुज जलडमरूमध्य पार करके आया, जिसे भारतीय नौसेना ने सुरक्षा दी। सरकार ने यह भी साफ किया कि 'इंडियन सनमार हेराल्ड' जहाज के कप्तान द्वारा कोई टोल चुकाने की खबर गलत है।

मध्य पूर्व संकट के कारण कच्चे तेल की कीमतें बढ़ी हैं, लेकिन भारत सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क 10 रुपए प्रति लीटर घटा दिया है, ताकि आम लोगों पर बोझ न पड़े। देश भर में पेट्रोल पंप सामान्य रूप से काम कर रहे हैं और कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका-ईरान युद्धविराम को आगे बढ़ाने की घोषणा की है, जो बुधवार को खत्म होने वाला था। हालांकि, ईरान के बंदरगाहों पर अमेरिकी नाकेबंदी जारी है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने कहा कि यह युद्धविराम अब अनिश्चित समय तक बढ़ाया गया है और इसकी कोई नई समय-सीमा तय नहीं की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रंप ईरान के खिलाफ जारी नौसैनिक नाकेबंदी से संतुष्ट हैं और आगे युद्ध कब खत्म होगा, इसका फैसला अमेरिका के हितों के अनुसार किया जाएगा।

अमेजन अपने एसोसिएट्स की सुरक्षा, स्वास्थ्य पर खर्च करेगा 2,800 करोड़

एजेंसी

बेंगलुरु। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अमेजन ने भारत में उसके साथ काम करने वाले एसोसिएट्स की सुरक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिति की मजबूती के लिए 2,800 करोड़ रुपये (30 करोड़ डॉलर) के निवेश की घोषणा की है। कंपनी ने गुरुवार को प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यह साल 2030 तक 35 अरब डॉलर की उसकी निवेश योजना का हिस्सा है जिसके तहत वह कारोबार का विस्तार करने के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित डिजिटाइजेशन, निर्यात में वृद्धि और रोजगार सृजन पर फोकस करेगी। इस दौरान उसके मुख्य कारोबार के साथ क्विक कॉमर्स नेटवर्क का विस्तार भी जारी रहेगा ताकि लोगों तक सामान जल्दी से जल्दी पहुंच सके। अमेजन ने पिछले साल भारत में दो हजार करोड़ रुपये (23.3 करोड़ डॉलर) का निवेश किया था और देश में 17 नये फुलफिलमेंट सेंटर, छः सॉर्टेशन सेंटर और 75 लास्ट-माइल डिलीवरी स्टेशन खोले थे। पिछले साल ही उसने अपनी क्विक कॉमर्स पेशकश एमेज़ॉन नाउ शुरू की थी, जिसके बाद मुख्य शहरों में सुरक्षित और तेज डिलीवरी सुनिश्चित की जा रही है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के लिए अमेजन के उपाध्यक्ष (ऑपरेशंस) अभिनव सिंह ने कहा, 'हमारे नेटवर्क को हमारे लोग चलाते हैं। इसलिए हम अपने एसोसिएट्स की सुरक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक उन्नति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम आधुनिक प्रौद्योगिकी में भी निवेश करेंगे, ताकि हमारे ग्राहकों तक ज्यादा तेज, सुरक्षित और विश्वसनीय डिलीवरी पहुंचाई जा सके।' विज्ञप्ति में बताया गया है कि एआई और मशीन लर्निंग की मदद से परिचालन नेटवर्क को ज्यादा सुरक्षित और दक्ष बनाया जायेगा। ऑन-रोड सुरक्षा में सुधार लाने के लिए उपकरण तैनात किये जायेंगे जो डिलीवरी सर्विस पार्टनर्स और डिलीवरी एसोसिएट्स को असुरक्षित ड्राइविंग पर अलर्ट जारी करेंगे।

केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए बड़ी खुशखबरीः सरकार ने महंगाई भत्ता बढ़ाकर किया 60 प्रतिशत

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने लाखों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को बड़ी राहत देते हुए महंगाई भत्ते (DA) और महंगाई राहत (DR) में 2फीसदी की वृद्धि करने का आधिकारिक आदेश जारी कर दिया है। वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग द्वारा जारी कार्यालय ज्ञापन के अनुसार, अब महंगाई भत्ते की दर मूल वेतन के 58फीसदी से बढ़कर 60फीसदी हो गई है। यह नई दरें 1 जनवरी, 2026 से प्रभावी मानी जाएंगी, जिसका सीधा लाभ लगभग 50 लाख सेवारत कर्मचारियों और 68 लाख पेंशनभोगियों को मिलेगा। सरकार के इस फैसले से न केवल कर्मचारियों की मासिक आय में इजाफा होगा, बल्कि उनकी क्रय शक्ति भी मजबूत होगी। महंगाई भत्ते में हुई इस बढ़ोतरी का सबसे बड़ा फायदा एरियर के रूप में देखने को मिलेगा। चूंकि यह आदेश जनवरी से लागू किया गया है, इसलिए कर्मचारियों को पिछले चार महीनों (जनवरी, फरवरी, मार्च और अप्रैल) का बकाया पैसा उनकी अगली सैलरी में जुड़कर मिलेगा। उदाहरण के तौर पर, 18,000 रुपये मूल वेतन वाले कर्मचारी की मासिक आय में 360 रुपये की वृद्धि होगी और उन्हें एकमुश्त एरियर के रूप में बड़ी राशि प्राप्त होगी। उच्च वेतन श्रेणी (लेवल-10) के अधिकारियों के वेतन में भी 1,122 रुपये प्रति माह से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी, जिससे उनके बैंक खातों में भारी-भरकम राशि आएगी।

पीयूष गोयल ने कतर के विदेश व्यापार मामलों के मंत्री से बातचीत की, आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत बनाने पर हुई चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कतर के विदेश व्यापार मामलों के राज्य मंत्री डॉ. अहमद बिन मोहम्मद अल सईद से वर्चुअल बातचीत की। इस दौरान दोनों देशों के नेताओं ने व्यापार और आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत बनाने पर फोकस किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में गोयल ने कहा, 'कतर के विदेश व्यापार मामलों के राज्य मंत्री डॉ. अहमद बिन मोहम्मद अल सैयद के साथ एक सार्थक वर्चुअल वार्ता आयोजित की गई। हमने द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को और मजबूत करने के साथ-साथ आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। हम आने वाले समय में अपनी रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के लिए तैयार हैं।' गोयल की ओर यह बातचीत ऐसे समय पर की गई है, जब अमेरिका-ईरान में तनाव के कारण हॉर्मुज स्ट्रेट से आवाजाही पूरी तरह से बंद है और इससे बड़े स्तर पर आपूर्ति श्रृंखलाओं

में व्यवधान पैदा हुआ है। इसके कारण कतर समेत कई खाड़ी देश अपने पेट्रोलियम और अन्य उत्पादों का निर्यात नहीं कर पा रहे हैं। दुनिया में होने वाले कुल तेल और प्राकृतिक गैस के व्यापार का करीब 20 प्रतिशत हिस्सा हॉर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरता है। हाल ही में इस पर ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने कहा कि मौजूदा हालात में होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा नहीं खोला जाएगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका की ओर से होर्मुज स्ट्रेट को ब्लॉक कर दिया गया है। यह सीजफायर का उल्लंघन है। इससे ईरानी बंदरगाहों को निशाना बनाया जा रहा है। आगे कहा कि पूर्ण सीजफायर तभी संभव है, जब अमेरिका होर्मुज स्ट्रेट के ब्लॉक को समाप्त कर देता है। अमेरिका की सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया पर कहा, 'ईरान के खिलाफ अमेरिकी नाकाबंदी के तहत अमेरिकी सेना ने 31 जहाजों को वापस मुड़ने या बंदरगाह पर लौटने का निर्देश दिया है।'

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में आज लगातार चौथे दिन कमजोरी नजर आ रही है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,54,740 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,55,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,41,840 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी बुधवार के भाव 2,64,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,54,890 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,54,740 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,54,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,55,450 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,42, 490 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,54,740 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,54,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,41,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,54,890 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,54,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और एलियांज प्राथमिक बीमा में बनायेंगे संयुक्त उद्यम

मुंबई/म्यूनिख। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) और एलियांज ग्रुप ने प्राथमिक बीमा क्षेत्र में बराबर हिस्सेदारी वाले संयुक्त उपक्रम की स्थापना की घोषणा की।जियो फाइनेंशियल सर्विसेज की प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि एलियांज ग्रुप ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एलियांज यूरोप के माध्यम से संयुक्त उपक्रम बनाने के लिए आज एक बाध्यकारी समझौता किया है जो सामान्य और स्वास्थ्य बीमा के क्षेत्र में काम करेगा। इसमें दोनों कंपनियों की 50-50 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। यह समझौता जुलाई 2025 में घोषित साझेदारी को औपचारिक रूप प्रदान करता है। भारत के ग्राहक जेएफएसएल की व्यापक डिजिटल पहुंच और भारतीय बाजार की गहरी समझ के साथ-साथ एलियांज के उच्च गुणवत्ता वाले बीमा उत्पादों और सेवाओं का लाभ उठाएंगे। इस संयुक्त उद्यम को अभी नियामकीय मंजूरियां मिलनी शेष हैं। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और एलियांज देश में जीवन बीमा व्यवसाय के लिए एक अलग बाध्यकारी समझौते की दिशा में भी प्रयासरत हैं। इस समझौते पर प्रतिक्रिया देते हुए रिलायंस समूह के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने कहा, 'बीमा केवल एक उत्पाद नहीं है, बल्कि वह ऐसा आधार है जिस पर परिवार आत्मविश्वास के साथ अपना भविष्य बनाते हैं और बिना भय के अपने सपनों का पीछा कर सकते हैं।

रुपये में गिरावट जारी, 34 पैसे टूटा

मुंबई। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 34.50 पैसे टूट गया और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 93.7850 रुपये का बोला गया। पिछले कारोबारी दिवस पर रुपया 28 पैसे गिरकर 93.44 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। रुपये पर आज शुरू से ही दबाव रहा। यह 25 पैसे टूटकर 93.69 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। दिन भर यह 93.6750 रुपये और 93.87 रुपये प्रति डॉलर के बीच रहा। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम दो प्रतिशत से अधिक बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। इससे भारतीय मुद्रा पर दबाव रहा। साथ ही बैंकों की तरफ से डॉलर की मांग बढ़ने से भी रुपया कमजोर हुआ।

एक महीने में दूसरी बार एचएसबीसी ने इंडियन इक्विटीज की रेटिंग घटाई

एजेंसी

नई दिल्ली। ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म एचएसबीसी ने एक बार फिर इंडियन इक्विटीज की रेटिंग को घटा कर घरेलू शेयर बाजार और उसके निवेशकों को बड़ा झटका दिया है। ब्रोकरेज फर्म ने इंडियन इक्विटीज की रेटिंग को न्यूट्रल से घटा कर अंडरवेट कर दिया है। एक महीने से भी कम अवधि में एचएसबीसी ने दूसरी बार इंडियन इक्विटीज की रेटिंग घटाई है। इसके पहले 31 मार्च को इंडियन इक्विटीज की रेटिंग ओवरवेट से घटा कर न्यूट्रल की गई थी और अब इसे न्यूट्रल से अंडरवेट कर दिया गया है। एचएसबीसी का कहना है कि पश्चिम एशिया में बने तनाव के हालात और उसकी वजह से कच्चे तेल की कीमत में लगातार आ रही तेजी से महंगाई बढ़ने का खतरा बढ़ गया है। ब्रोकरेज फर्म की और से जारी किए गए एक नोट में कहा गया है कि अमेरिका और ईरान के बीच चल रही जंग की वजह से पेट्रोलियम उत्पादों की तेजी से बढ़ रही कीमत भारत की अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ी चुनौती बन सकती है।

अमेरिका और इजरायल तथा ईरान के बीच 28 फरवरी को जंग की शुरुआत हुई थी। इस जंग की

वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में 40 प्रतिशत से भी अधिक की तेजी आ चुकी है। ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर कारोबार कर रहा है। कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी के कारण भारत जैसे उन तमाम देशों में महंगाई बढ़ने का खतरा बन गया है जो अपनी जरूरत पूरा करने के लिए आयत का सहारा लेते हैं।

एचएसबीसी के नोट में यह भी कहा गया है कि अमेरिका और ईरान के बीच जारी जंग की वजह से भारत में उत्तर पूर्वी एशियाई देशों की तुलना में निवेश के लिए आकर्षण कम हो गया है। इसी वजह से जंग शुरू होने के बाद से लेकर अभी तक निफ्टी 6.7 प्रतिशत और सेंसेक्स 7.9 प्रतिशत तक की गिरावट का शिकार होकर दुनिया में सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले बाजार की सूची में शामिल हो चुके हैं।

ब्रोकरेज फर्म ने घरेलू बाजार में गिरावट की चर्चा करते हुए विदेशी निवेशकों की चिंता का भी जिक्र किया है। इसमें भारतीय मुद्रा रुपये की कीमत में आ रही गिरावट का उल्लेख भी किया गया है। नोट में कहा गया है कि अगर भारतीय सॉफ्टवेयर सर्विसेज पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के असर से होने वाले नकारात्मक असर में इजाफा होता है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत ऊंचे स्तर पर बनी रहती है, तो भारतीय मुद्रा में और अधिक गिरावट का होने की आशंका जताई जा सकती है। इसी वजह से विदेशी निवेशक इस साल लगातार भारतीय शेयर बाजार में बिकवाली कर अपना पैसा निकालने में लगे हुए हैं। 2026 में अभी तक विदेशी निवेशक 18.5 अरब डॉलर के भारतीय शेयर बेच चुके हैं। एचएसबीसी का अनुमान है कि जून और सितंबर की तिमाही में भी ज्यादातर समय कच्चे तेल और गैस की तंगी बनी रहेगी। इस वजह से भारत के अर्निंग ग्रोथ में 1.5 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। ब्रोकरेज फर्म का कहना है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बाद बनी परिस्थितियों में डोमेस्टिक इक्विटी वैल्युएशंस भी अपने ऊपरी स्तर से नीचे गिर चुके हैं। हालांकि, जैसे-जैसे कमाई के अनुमानों में कटौती की खबर सामने आएगी, वैसे-वैसे इक्विटी वैल्युएशंस की स्थिति में भी परिवर्तन होगा।

जापान के रक्षा निर्यात नियमों में बदलाव का भारत ने किया स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने जापान की ओर से घातक हथियारों के निर्यात पर लगे प्रतिबंध में ढील देने के फैसले का स्वागत किया है। भारत ने इसे रक्षा और सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने वाला कदम बताया। दोनों देशों के बीच विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी में रक्षा सहयोग एक अहम स्तंभ माना जाता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में कहा कि भारत, जापान द्वारा रक्षा उपकरण और प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण से जुड़े तीन सिद्धांतों की समीक्षा का स्वागत करता है। उन्होंने कहा कि भारत-जापान संयुक्त सुरक्षा सहयोग घोषणा के तहत दोनों देश अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक गतिशीलता के हित में व्यावहारिक सहयोग बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसमें सरकारी संस्थाओं और निजी क्षेत्र के बीच तकनीकी और औद्योगिक सहयोग को बढ़ावा देना शामिल है, ताकि महत्वपूर्ण क्षेत्रों में लचीलापन सुनिश्चित किया जा सके। उल्लेखनीय है कि जापान ने मंगलवार को घातक हथियारों के निर्यात पर लगे प्रतिबंध को हटाने का समर्थन किया, जो देश की युद्धोत्तर शांतिवादी नीति में एक बड़ा बदलाव है क्योंकि देश अपने हथियार उद्योग को मजबूत करना चाहता है और रक्षा भागीदारों के साथ सहयोग को गहरा करना चाहता है।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला लीपफ्रॉग इंजीनियरिंग का आईपीओ, 30 अप्रैल को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। इंजीनियरिंग सर्विस प्रोवाइडर कंपनी लीपफ्रॉग इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड का 88.51 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 27 अप्रैल तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 28 अप्रैल को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 29 अप्रैल को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 30 अप्रैल को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 21 रुपये से लेकर 23 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 6,000 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को एक लॉट यानी 6,000 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 1,38,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 1 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 3,84,84,000 शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें लगभग 75 करोड़ रुपये के 3,26,82,000 नए शेयर और लगभग नौ करोड़ रुपये के 38,76,000 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इसके अलावा 19,26,000 नए शेयर मार्केट मेकर के लिए रिजर्व रखे गए हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए सिर्फ 4.75 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 47.55 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 42.70 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए पांच प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए फिनशोर मैनेजमेंट सर्विसेज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि इंटिग्रेटेड रजिस्ट्री मैनेजमेंट सर्विसेज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं अनंत सिक्योरिटीज कंपनी का मार्केट मेकर है। लीपफ्रॉग इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मामूली उतार चढ़ाव के बावजूद मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 28 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 16.39 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में मामूली गिरावट के साथ 16.22 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने में यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 14.18 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी उतार चढ़ाव के बावजूद बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 105.38 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 162.88 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में घट कर 137.37 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

देहरादून में केंद्र सरकार 716 करोड़ की लागत से बना रही 12 किमी लंबा बाईपास

एजेंसी

नई दिल्ली । देहरादून शहर के भीतर से गुजरने वाले भारी वाहनों के कारण होने वाले भीषण ट्रैफिक जाम और प्रदूषण से जल्दी ही लोगों को राहत मिलने वाली है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) 716 करोड़ रुपये की लागत से 12 किलोमीटर लंबा ग्रीनफील्ड चार लेन बाईपास बना रहा है। इस परियोजना का 44 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और इसे अप्रैल 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है। केंद्रीय संचार मंत्रालय ने बताया कि दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारे पर बन रहा यह बाईपास झाझरा से शुरू होकर पांवटा साहिब-बल्लूपुर खंड (एनएच-7) से जुड़ते हुए अशारोरी चेक पोस्ट तक जाएगा। इसके बनने से देहरादून शहर के भीतर से गुजरने वाले गैर-गंतव्य यातायात को बाहर की ओर मोड़ा जा सकेगा। इससे प्रदूषण और जाम की समस्या में कमी आएगी और शहरी गतिशीलता बेहतर होगी। परियोजना को पर्यावरणीय दृष्टि से भी संवेदनशील बनाया गया है। राजमार्ग की चौड़ाई सामान्य 60 मीटर के बजाय 30 मीटर रखी गई है ताकि जंगलों में पेड़ों को संरक्षित किया जा सके। वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए 350 मीटर लंबा व्हीक्युलर ओवर पास, जानवरों के निकलने का ऊपर से रास्ता, सात छोटे पुल, 21 बॉक्स कल्वर्ट और पाँच ह्यूम पाइप कल्वर्ट बनाए जा रहे हैं। पूरे मार्ग पर फेंसिंग और वन्यजीव क्षेत्र के संकेतक लगाए जा रहे हैं ताकि मानव-वन्यजीव संघर्ष कम हो। मंत्रालय ने

बताया कि परियोजना पूरी होने पर देहरादून के निवासियों को भारी और ट्रांजिट यातायात से राहत मिलेगी। साथ ही मसूरी जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों तक पहुंच आसान होगी, जिससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

देश से 2025-26 में कपड़ा निर्यात 2.1 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के वस्त्र उद्योग ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान वैश्विक बाजारों में मजबूत प्रदर्शन जारी रखा और हस्तशिल्प सहित कुल वस्त्र निर्यात 3,16,334.9 करोड़ रुपये हो गया जो की सालाना वृद्धि दर 2.1 प्रतिशत दर्शाता है। वित्त वर्ष 2024-25 में निर्यात 3,09,859.3 करोड़ रुपये था। कपड़ा मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में यह जानकारी देते हुए कहा यह प्रदर्शन भारतीय वस्त्र उत्पादों की स्थिर वैश्विक मांग और प्रमुख उत्पाद श्रेणियों में इस क्षेत्र की निरंतर प्रतिस्पर्धात्मकता को दर्शाता है। वर्ष के दौरान कपड़ा निर्यात में रेडीमेड गारमेंट्स (आरएमजी) का सबसे बड़ा योगदान रहा । वर्ष के दौरान इसका आंकड़ा एक साल पहले के 1,35,427.6 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,39,349.6 करोड़ रुपये हो गया जो वार्षिक आधार पर 2.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इसी दौरान सूती धागे, कपड़े, निर्मित वस्त्र और हथकरघा उत्पादों का निर्यात वित्त वर्ष 2025-26 में 1,02,399.7 करोड़ रुपये रहा, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में यह 1,02,002.8 करोड़ रुपये। इस खंड में 0.4 प्रतिशत की हल्की वृद्धि देखी गई। मानव निर्मित धागे, कपड़े और निर्मित वस्त्रों में 3.6 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई, जिनका निर्यात एक साल पहले के 41,196.0 करोड़ रुपये से बढ़कर 42,687.8 करोड़ रुपये हो गया।

लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को लगी 2.99 लाख करोड़ की चपत

एजेंसी

नई दिल्ली । पश्चिम एशिया में जारी तनाव को लेकर बनी अनिश्चितता, कमजोर वैश्विक संकेत और कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी ने घरेलू शेयर बाजार को आज लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद होने के लिए मजबूर कर दिया। आज के कारोबार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद कुछ देर तक खरीदारी का रुख भी बना, लेकिन ये तेजी अधिक देर तक कायम नहीं रह सकी। सुबह 10 बजे के बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की कमजोरी बढ़ती चली गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.09 प्रतिशत और निफ्टी 0.84 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, पीएसयू बैंक और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। इसके अलावा आईटी, एफएमसीजी, मेटल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, मीडिया और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। इसी तरह कैपिटल गुड्स और हेल्थकेयर इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 0.41 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.67 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब तीन लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 466.37 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 469.36 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.99 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,449 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,762 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,517 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 170 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,965 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,031 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,934 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से पांच शेयर बढ़त के साथ और 25 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 17 शेयर हरे निशान में और 33 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 532.83 अंक की कमजोरी के साथ 77,983.66 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली के दबाव के कारण यह सूचकांक 823.43 अंक टूट कर 77,693.06 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद लिवालों ने खरीदारी का जोर बना दिया, जिससे सेंसेक्स की चाल में सुधार होने लगा। खरीदारी के सपोर्ट से सुबह 10 बजे के करीब यह सूचकांक ओपनिंग लेवल से 194.88 अंक की रिकवरी कर 78,178.54 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद बाजार में एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन गया, जिससे इस सूचकांक की गिरावट बढ़ती चली गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक 942.31 अंक लुढ़क कर 77,574.18 अंक तक आ गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से करीब 90 अंक की रिकवरी कर 852.49 अंक की गिरावट के साथ 77,664 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 175.75 अंक फिसल कर 24,202.35 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की।

नेपाल में छात्र संगठनों को खत्म करने के फैसले के खिलाफ छात्रों का प्रदर्शन

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के विश्वविद्यालयों में राजनीतिक दलों से संबद्ध छात्र एवं कर्मचारी संगठनों को समाप्त करने के बालेन्द्र शाह सरकार के फैसले के खिलाफ विधि के छात्रों ने काठमांडू में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी छात्रों ने कहा कि विश्वविद्यालयों में मौजूद स्वतंत्र छात्र यूनियन और विभिन्न छात्र संगठनों के अस्तित्व को खत्म करने की कोशिश सरकार का अधिनायकवादी कदम है। इसी फैसले के विरोध में हम प्रदर्शन कर रहे हैं। नेपाल लॉ कैंपस के स्वतंत्र छात्र यूनियन और संयुक्त छात्र संगठनों के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन में छात्रों ने काठमांडू के प्रदर्शनी मार्ग पर सरकार के खिलाफ मार्च निकाला। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि सरकार लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। उनका कहना है कि विश्वविद्यालय छात्र राजनीति और नेतृत्व विकास के महत्वपूर्ण केंद्र रहे हैं, ऐसे में छात्र संगठनों पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय छात्र अधिकारों पर सीधा हमला है। उल्लेखनीय है कि नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने सभी विश्वविद्यालयों और चिकित्सा संस्थानों को राजनीतिक दलों से संबंद्ध छात्र एवं कर्मचारी संगठनों को तुरंत समाप्त करने का आदेश दिया था। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और चिकित्सा संस्थानों के प्रमुखों के साथ लंबी चर्चा की थी।

नेपाल में सोशल मीडिया पर फैल रही फर्जी और भ्रामक खबरों पर सरकार सख्त, कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

काठमांडू। नेपाल के संचार तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने ऑनलाइन मीडिया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फैल रही आधारहीन, मिथ्या और भ्रामक सूचनाओं को लेकर गंभीर चिंता जताई है। सरकार ने ऐसी अफवाह और भ्रामक सूचना फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। मंत्रालय ने कहा कि हाल के दिनों में विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बिना पुष्टि की गई खबरें और गलत सूचनाएं प्रसारित की जा रही हैं, जिससे आम नागरिकों में भ्रम फैल रहा है और समाज में गलत संदेश जा रहा है। मंत्रालय ने कहा कि इस तरह की काल्पनिक और भ्रामक सामग्री के प्रसारण को सरकार ने गंभीरता से लिया है। सरकार ने सभी समाचार माध्यमों, संस्थाओं और व्यक्तियों से अपील की है कि आधिकारिक निकायों से पुष्टि किए बिना किसी भी खबर या सूचना को प्रकाशित या प्रसारित न करें। सरकार ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि कोई व्यक्ति या संस्था आधारहीन, झूठी और भ्रामक खबरें प्रकाशित या प्रसारित करते हुए पाई जाती है, तो संबंधित लोगों की पहचान कर प्रचलित कानूनों, जिसमें अन्य संबंधित कानूनी प्रावधान के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मंत्रालय ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे ऐसी खबरों को फैलाने में सहयोग न करें।

नेपाल की राजधानी काठमांडू विश्व का दूसरा सबसे प्रदूषित शहर, लाहौर सबसे ऊपर

काठमांडू । नेपाल की राजधानी काठमांडू की वायु गुणवत्ता में तेज गिरावट दर्ज की गई है। काठमांडू का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 247 दर्ज किया गया, जिससे यह वैश्विक सूची में दूसरे स्थान पर रहा। लाहौर 381 एक्यूआई के साथ सूची में सबसे ऊपर रहा। एक्यूआई एयर ने जारी आंकड़ों में बताया कि काठमांडू 247 एक्यूआई के साथ दुनिया का दूसरा सबसे प्रदूषित शहर बन गया है।एक्यूआई का स्तर 200 से अधिक होने पर इसे 'बहुत अस्वस्थ' श्रेणी में रखा जाता है और यह आम लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा माना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि लंबे समय तक इस स्तर के प्रदूषण में रहने से सांस संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। पहले से मौजूद हृदय और फेफड़ों की बीमारियां बढ़ सकती हैं और दीर्घकालिक स्वास्थ्य जटिलताओं का खतरा भी बढ़ सकता है। खासकर बच्चे, बुजुर्ग और पहले से बीमार लोग अधिक जोखिम में हैं। अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि गंभीर प्रदूषण के दौरान बाहरी गतिविधियों को सीमित करें, मास्क पहनें और स्वास्थ्य संबंधी सुरक्षा निर्देशों का पालन करें। हालांकि, काठमांडू की बिगड़ती वायु गुणवत्ता से निपटने के लिए प्रभावी दीर्घकालिक उपायों की कमी को लेकर चिंता बनी हुई है।

अफगानिस्तान में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों का आना देश की स्थिरता एंव शांति का सबूतः मौलवी अमीर खान मुत्तकी

काबुल। अफगानिस्तान में शुरू हुए तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय पारंपरिक कुश्ती प्रतियोगिताओं के उद्घाटन समारोह में विदेश विदेश मंत्री मौलवी अमीर खान मुत्तकी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों का अफगानिस्तान आना इस बात का सबूत है कि अब यह देश शांति और स्थिरता के केंद्र में बदल चुका है। अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय के उप प्रवक्ता जिया अहमद तकाल द्वारा अपने आधिकारिक सोशल मीडिया आकाउंट 'एक्स' पर साझा किये गये पोस्ट के अनुसार, विदेश मंत्री ने क्षेत्र की वर्तमान स्थिति और जीवन में खेल के महत्व पर भी विस्तार से चर्चा की। श्री मुत्तकी ने कहा कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय आयोजनों से न केवल खेल को बढ़ावा मिलता है, बल्कि दुनिया भर में अफगानिस्तान की सकारात्मक छवि भी मजबूत होती है। इस आयोजन में विभिन्न देशों के खिलाड़ियों ने भाग लिया है, जो देश के बदलते सुरक्षित वातावरण को दर्शाता है।

ट्रंप ने अमेरिकी नेवी को होर्मुज में माइन बिछाने वाले जहाज को उड़ाने के आदेश दिए

एजेंसी

तेहरान/वाशिंगटन/लंदन। ट्रंप ने अमेरिकी नौसेना को आदेश दिया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में बारूदी सुरंगें बिछाने वाली अगर कोई नाव नजर आए तो उस पर गोलीबारी की जाए। अमेरिका और ईरान के अस्तित्व की लड़ाई बन चुके होर्मुज जलडमरूमध्य का टकराव हिंद महासागर तक पहुंच गया है, क्योंकि अमेरिका ने इस महासागर से ईरान के एक और तेल टैंकर को जब्त करने का दावा किया है। ईरान एक दिन पहले होर्मुज जलडमरूमध्य में तीन जहाजों को निशाना पहले ही बना चुका है। फॉक्स न्यूज, सीबीएस न्यूज, सीएनएन और अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार पेंटागन ने 'मैजेस्टिक एक्स' नामक तेल टैंकर के डेक पर मौजूद अपने सैनिकों का एक वीडियो भी जारी किया है। दावा किया गया है कि इस टैंकर को हिंद महासागर में जब्त किया गया है। महत्वपूर्ण यह भी है कि यह ईरानी जहाज उसी स्थान से जब्त हुआ है,

जहां पहले अमेरिकी सेना ने 'टिफनी' नाम के तेल टैंकर को जब्त किया था। पेंटागन ने कड़े शब्दों में कहा, ''अमेरिका की अवैध नेटवर्क को तोड़ने और ईरान को सहायता पहुंचाने वाले जहाजों को रोकने के लिए वैश्विक समुद्री निगरानी जारी रहेगी। ऐसे जहाज भले ही दुनिया में कहीं भी हों।'' इससे पहले ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को पार करने की कोशिश कर रहे दो जहाजों को जब्त कर चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान से समझौते की चाह में संघर्ष विराम को भी बढ़ा चुके हैं। मगर ईरान बातचीत की मेज पर आने से इनकार कर चुका है। इस बीच ट्रंप ने अमेरिकी नौसेना को आदेश दिया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में बारूदी सुरंगें बिछाने वाली अगर कोई नाव नजर आए तो उस पर गोलीबारी की जाए। किसी भी नाव पर गोली चलाई जाए। ट्रुथ सोशल पर उन्होंने कहा, मैंने यूनाइटेड स्टेट्स नेवी को आदेश दिया है कि वह नाव छोटी हो या बड़ी उसे मार गिराया जाए। इसमें कोई हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए।

इस बीच ब्रिटेन और फ्रांस ने होर्मुज खोलने के लिए कठोर सैन्य कार्रवाई की जरूरत बताया है। साथ ही दुनिया के बाकी देशों से सहयोग करने का आग्रह किया है। ब्रिटेन और फ्रांस ने आज लंदन में मिल रहे सैन्य रणनीतिकारों से कहा है कि महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य में नौवहन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए व्यावहारिक और कड़े सैन्य विकल्पों की जरूरत होगी।

ब्रिटिश रक्षा सचिव जॉन हीली और उनकी फ्रांसीसी समकक्ष कैथरीन वॉट्रिन ने संयुक्त बयान में कहा, आपका काम कूटनीतिक सहमति को व्यावहारिक सैन्य विकल्पों में बदलना है। ऐसा करना जलडमरूमध्य में नौवहन की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए जरूरी है। इसके लिए एक समन्वित संयुक्त योजना को अमल में लाना होगा।

नेपाल सरकार ने 24 घंटे में ही संसद अधिवेशन बुलाने के फैसले को स्थगित किया

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल सरकार ने संसद अधिवेशन बुलाने की सिफारिश को 24 घंटे के भीतर ही वापस ले लिया है। ही राष्ट्रपति भवन से एक सूचना जारी कर 30 अप्रैल से संसद के दोनों सदनों का संयुक्त अधिवेशन आहूत करने का आह्वान किया गया था। लेकिन आज सरकार की सिफारिश के बाद राष्ट्रपति भवन से संसद अधिवेशन को फिलहाल नहीं बुलाये जाने की सूचना दी गई है। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की अध्यक्षता में आज हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में संसद की बैठक को स्थगित करने की सिफारिश करने का फैसला किया गया। सरकार की सिफारिश के बाद राष्ट्रपति भवन से एक और सूचना जारी कर 30 अप्रैल से बुलाई गई संसद के अधिवेशन को स्थगित करने की जानकारी दी गई। संसद स्थगित करने के लिए विशेष कारण बताया गया है। राष्ट्रपति भवन से जारी सूचना में कहा गया है कि मंत्रिपरिषद की सिफारिश के बाद बुलाई गई संसद अधिवेशन को

विशेष कारण वश मंत्रिपरिषद की दुबारा सिफारिश के बाद स्थगित किया जाता है। नेपाल के संविधान के अनुच्छेद 93(1) के अनुसार, संसद सत्र बुलाने और स्थगित करने संबंधी निर्णय राष्ट्रपति द्वारा मंत्रिपरिषद की सिफारिश पर किए जाते हैं।

पाकिस्तान के बलोचिस्तान में माइनिंग प्रोजेक्ट पर हमला, कम से कम 10 लोग मारे गए

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में एक तांबा और सोना माइनिंग प्रोजेक्ट में सशस्त्र समूह के हमले में कम से कम 10 लोग मारे गए। यह क्षेत्र आजादी समर्थक आंदोलन का गढ़ है। यहां बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के विद्रोही पाकिस्तान को सीधी चुनौती देते रहे हैं। अभी तक किसी ने भी इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। द बलोचिस्तान पोस्ट और राजधानी के स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार अधिकारियों ने बुधवार शाम करीब पौने छह बजे हुई इस वारदात की जानकारी आज दी। बताया गया है कि लगभग 40 सशस्त्र लोग मोटरसाइकिलों और अन्य वाहनों से चगाई जिले के दारिगवान इलाके में स्थित पाकिस्तान की कंपनी नेशनल रिसोर्सेज प्राइवेट लिमिटेड (एनआरएल) के माइनिंग प्रोजेक्ट स्थल पर घुस आए और गोलीबारी शुरू कर दी। मारे गए लोगों में सात खनिक और तीन सुरक्षाकर्मी शामिल हैं। कुछ कर्मचारियों को बंधक बनाकर ले जाया गया है।

अधिकारियों के अनुसार एनआरएल ने देररात इस हमले की जानकारी दी। इसके बाद पहुंचे सुरक्षा बल के जवानों ने सारे इलाके को घेर लिया। फिलहाल किसी भी समूह ने इसकी जिम्मेदारी नहीं ली है। दलबांदिन के प्रिंस फहद अस्पताल में नौ शव पहुंचाए गए हैं। इनमें एक विदेशी व्यक्ति का भी शव है। यह कंपनी क्वेटा में पंजीकृत है। यह फातिमा फर्टिलाइजर, लिबर्टी मिल्स और लकी सीमेंट का संयुक्त उद्यम है। कंपनी की वेबसाइट के अनुसार उसके पास बलोचिस्तान में लगभग 500 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में सोने और तांबे का खनन करने का लाइसेंस है। कुछ सूत्रों का कहना है कि हमले में पाकिस्तान सेना के फ्रंटियर कोर (एफसी) के तीन कर्मी भी मारे गए हैं। हमलावरों ने कंपनी की ड्रिलिंग मशीन और अन्य भारी उपकरणों को आग लगाकर नष्ट कर दिया। इस बीच बलोचिस्तान के नुश्की के पास स्थित मस्तुंग के गुरगीना इलाके में पाकिस्तान की सेना के एक शिविर पर ड्रोन हमला होने की खबर है। इस हमले में अनेक जवानों के हताहत होने की आशंका जताई गई है। अधिकारियों ने अभी तक इस बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी है। इससे पहले बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी मस्तुंग और कलात में पाकिस्तान की सेना के शिविरों पर ड्रोन हमले कर चुकी है।

आखिरकार अमेरिकी सीनेट में बजट प्रस्ताव पारित

एजेंसी

वाशिंगटन। आखिरकार अमेरिकी सीनेट में बजट प्रस्ताव पारित हो गया। इससे ट्रंप प्रशासन को बड़ी राहत मिली है। सत्तारूढ़ रिपब्लिक पार्टी को रातभर चली लंबी मतदान प्रक्रिया के बाद यह सफलता मिली। अब होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के तहत इमिग्रेशन एजेंसियों को फंड देने के लिए डेमोक्रेट्स की मदद की जरूरत नहीं पड़ेगी। गुरुवार सुबह 3:30 बजे (पूर्वी समय) के कुछ ही देर बाद सीनेट ने 50 के मुकाबले 48 मतों से इस प्रस्ताव को पारित कर दिया। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार रिपब्लिकन सीनेटर रैंड पॉल (केंटकी) और लिसा मुर्कोव्स्की (अलास्का) अपनी पार्टी के ऐसे एकमात्र सदस्य हैं, जिन्होंने पार्टी लाइन से हटकर इस प्रस्ताव के खिलाफ वोट किया। अब यह प्रस्ताव हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स (निचले सदन) में पारित होने के लिए भेजा जाएगा। इसके बादअंतिम फंडिंग बिल तैयार किया जा सकेगा। इस पर भी दोनों सदनों में मतदान संभव है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस बिल के अंतिम रूप से पारित होने के लिए एक जून की समय सीमा तय की है। साउथ डकोटा के सीनेट बहुमत दल

के नेता जॉन थून ने कहा, हमारे सामने अभी कई चरणों वाली प्रक्रिया बाकी है। अंततः रिपब्लिकन यह सुनिश्चित करने में सफल होंगे कि अमेरिका की सीमाएं सुरक्षित रहें और वे डेमोक्रेट्स को इन महत्वपूर्ण एजेंसियों की फंडिंग में बाधा डालने से भी रोकेंगे।रिपब्लिकन सदस्यों ने इन एजेंसियों को तीन साल से अधिक समय तक फंड देने का लक्ष्य तय किया है। यह बजट प्रस्ताव सीनेट की न्यायपालिका और होमलैंड सिक्योरिटी समितियों को ऐसे कानून का मसौदा तैयार करने का अधिकार देता है, जिसके तहत खर्च में 70 अरब डॉलर तक की वृद्धि की जा सके। इस राशि का उपयोग इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट और कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन के कुछ हिस्सों को फंड देने के लिए किया जाएगा। इस प्रस्ताव को पारित किए जाने से पहले सदन में एक ऐसी प्रक्रिया अपनाई गई जिसे वोट-ए-रामा के नाम से जाना जाता है। इस प्रक्रिया के तहत सीनेटर असीमित संख्या में संशोधन प्रस्ताव पेश कर सकते हैं और सदन को बार-बार वोटिंग करने के लिए बाध्य कर सकते हैं। डेमोक्रेट्स के पेश किए गए संशोधनों पर मतदान रात 9:30 बजे (पूर्वी समय) के कुछ देर बाद शुरू हुआ। सीनेट में माइनॉरिटी लीडर चक शूमर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में डेमोक्रेट्स की योजनाओं पर चर्चा की।

इजराइल और लेबनान के बीच सीधी वार्ता के दूसरे दौर की मेजबानी करेगा अमेरिका

एजेंसी

वाशिंगटन। इजराइल और लेबनान के प्रतिनिधियों के बीच सीधी बातचीत का दूसरा दौर आज यहां विदेश विभाग में शुरू होगा। दोनों देशों के बीच 10 दिवसीय संघर्ष विराम लागू है। इस अवधि 26 अप्रैल को खत्म होनी है। पहले दौर की वार्ता के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 16 अप्रैल को इस संघर्ष विराम की घोषणा की थी। लेबनान में सक्रिय ईरान समर्थक आतंकी समूह हिजबुल्लाह इस वार्ता का शुरू से विरोध कर रहा है।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार इजराइली और लेबनानी प्रतिनिधि वाशिंगटन में कूटनीतिक वार्ता के दूसरे दौर के लिए मिलने वाले हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि लेबनान में संघर्ष विराम की चाबी ट्रंप के पास है। इजराइल अपनी आत्मरक्षा के लिए दृढ़ संकल्पित है। वह लेबनान में हिजबुल्लाह पर लगातार हमले कर

रहा है।

लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के प्रो. फवाज़ गर्गेस ने कहा, सिर्फ राष्ट्रपति ट्रंप ही अपने इजराइली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू पर सचमुच दबाव डाल सकते हैं। इजराइल उनके अलावा किसी का दबाव स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा ट्रंप ने ही सोशल ट्रुथ पर संघर्ष विराम का एलान किया था। प्रो. गर्गेस ने कहा कि पहले दौर में दोनों देशों के बीच हुआ समझौता इजराइल को आत्मरक्षा में सभी जरूरी कदम उठाने के अपने अधिकार को बनाए रखने की इजाजत देता है। इस समझौते में कहा गया कि लेबनान सरकार को हिजबुल्लाह को हमले करने से रोकना होगा। बताया गया है कि वाशिंगटन में दूसरे दौर की वार्ता का मकसद 10 दिवसीय संघर्ष विराम को बढ़ाना है। इस वार्ता में लेबनान की राजदूत नादा हमदेह और उनके इजराइली समकक्ष येचिएल लीटर के अलावा अमेरिकी अधिकारियों के शामिल होने की उम्मीद है। यह वार्ता दक्षिण लेबनान में जमीनी स्थिति और हिजबुल्लाह-इजराइल के बीच जारी तनाव को कम करने के लिए की जा रही है।

नेपाल में जेन जी आंदोलन के दौरान हिंसा के दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी, मानवाधिकार आयोग सरकार से करेगा सिफारिश

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने कहा है कि वह जेन जी आंदोलन के दौरान हुई हिंसा के दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए सरकार को जल्द ही सिफारिश करने जा रहा है। आयोग के अनुसार, इस संबंध में तैयारी अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। आयोग के प्रवक्ता डा टीकाराम पोखरेल ने कहा, 'हम यथासंभव जल्द सरकार को कार्रवाई की सिफारिश करेंगे। फिलहाल आयोग इसी तैयारी में जुटा हुआ है। ' जब उनसे पूछा गया कि सिफारिश कब तक की जाएगी, तो उन्होंने कहा, 'मैं सटीक तारीख नहीं बता सकता, लेकिन यह जल्द ही होगा। हम इसकी तैयारी कर रहे हैं। प्रवक्ता पोखरेल ने बताया कि जांच में दोषी पाए गए लोगों के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश करने के बाद आयोग आम नागरिकों की जानकारी के लिए अपनी रिपोर्ट भी सार्वजनिक करेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि मानवाधिकार आयोग सरकार को विस्तृत प्रतिवेदन नहीं सौंपता, क्योंकि यह उसका अधिकार क्षेत्र नहीं है। आयोग केवल सरकार को आवश्यक सिफारिशें देता है और विशेष घटनाओं से जुड़ी रिपोर्ट जनता के लिए सार्वजनिक करता है। आयोग ने लिली थापा के संयोजकत्व में जेनजी प्रदर्शन के दौरान हुए मानवाधिकार उल्लंघनों की जांच के लिए एक समिति बनाई थी। आयोग की टीम और प्रादेशिक कार्यालयों ने 45 जिलों में स्थलगत अध्ययन किया, जबकि सभी 77 जिलों की निगरानी भी की गई। इसके अलावा, दो दिनों की घटनाओं से जुड़े सैकड़ों सीसीटीवी फुटेज का फॉरेंसिक अध्ययन भी किया गया। सूत्रों के अनुसार, इस समिति ने अपनी रिपोर्ट में तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, तत्कालीन गृहमंत्री रमेश लेखक, नेपाली सेना के प्रधान सेनापति जेनरल अशोक राज सिग्देल सहित राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के पदाधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की सिफारिश करेगी।

अमेरिकी नौसेना सचिव जॉन फेलन बर्खास्त

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका नौसेना के बड़े अधिकारी को ट्रंप प्रशासन से विदा कर दिया गया है। पेंटागन ने नौसेना सचिव जॉन फेलन की बर्खास्तगी की आधिकारिक घोषणा की। घोषणा में कहा गया, ''नौसेना सचिव जॉन फेलन तत्काल प्रभाव से ट्रंप प्रशासन छोड़ देंगे।'' ईरान के साथ जारी टकराव के बीच फेलन को इस तरह हटाए जाने से वरिष्ठ सैन्य अधिकारी सकते में हैं। न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार पेंटागन के प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि जॉन फेलन का जाना तुरंत प्रभावी होगा। नौसेना के अवर सचिव हंग काओ को कार्यवाहक सचिव नियुक्त किया गया है। पार्नेल ने लिखा, युद्ध सचिव और उप युद्ध सचिव की ओर से हम विभाग और संयुक्त राज्य की नौसेना के प्रति उनकी सेवा के लिए सचिव फेलन के आभारी हैं। हम उन्हें भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं देते हैं। फेलन हाल के महीनों में ट्रंप प्रशासन से विदा होने

वाले उच्च-रैंकिंग वाले सैन्य नेता हैं। नौसेना ने उन्हें हटाए जाने का कोई कारण नहीं बताया है। कुछ हफ्ते पहले इसी तरह सेना के चीफ ऑफ स्टाफ़ रैंडी जॉर्ज को भी हटाया जा चुका है। जनरल डेविड होडने और मेजर जनरल विलियम ग्रीन को भी हाल ही में उनके पदों से हटाया जा चुका है। कहा जा रहा है कि पेंटागन में आने के बाद से रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने एक दर्जन से अधिक वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को बर्खास्त किया है। इनमें नेवल ऑपरेशंस के चीफ और वायु सेना के वाइस चीफ ऑफ़ स्टाफ शामिल हैं। जॉन फेलन को ऐसे नाजुक मोड़ पर हटाया गया है, जब अमेरिकी नौसेना ईरान के बंदरगाहों और जहाजों की घेराबंदी करने में जुटी है। साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास अपनी भारी मौजूदगी बनाए हुए है। कई सैन्य अधिकारियों का मानना है कि यह बर्खास्तगी फेलन की रक्षा सचिव पीट हेगसेथ और पेंटागन के दूसरे सबसे बड़े अधिकारी स्टीफन फेनबर्ग के बीच बढ़ते तनाव के बाद हुई है। जहाज निर्माण के मामले में फेलन जिस गति और तरीके से काम कर रहे थे, वह इन दोनों को पसंद नहीं था। पिछले दिनों फेलन से कुछ अधिकार भी छीन लिए गए थे।

एडीबी से 115 मिलियन डॉलर कर्ज लेने की नेपाल की तैयारी

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल सरकार ने एकीकृत पेय जल योजना और सीवरेज निर्माण योजना के लिए एशियाई विकास बैंक (एडीबी) से 115 मिलियन अमेरिकी डॉलर ऋण लेने संबंधी समझौते पर चर्चा के लिए एक वार्ता टीम का गठन किया है। सरकार के प्रवक्ता और शिक्षा मंत्री सस्मित पोखरेल ने बताया कि मंत्रिपरिष बैठक में वित्त मंत्रालय के सह-सचिव के नेतृत्व में वार्ता टीम बनाने का निर्णय लिया गया। नेपाल सरकार एकीकृत पेयजल आपूर्ति और सीवरेज प्रबंधन परियोजना के लिए एडीबी से ऋण लेने की तैयारी कर रही है। इसके लिए एडीबी 115 मिलियन अमेरिकी डॉलर की रियायती ऋण सहायता प्रदान करेगा। वित्तीय समझौते और अन्य संबंधित

दस्तावेजों को अंतिम रूप देने के लिए बातचीत करने को लेकर मंत्रिपरिषद ने वार्ता टीम के गठन का फैसला किया है। इसके अलावा मंत्रिपरिषद ने सरकारी निकायों में उपयोग हो रहे सॉफ्टवेयर और सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़े मामलों का अध्ययन करने के लिए सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी सलाहकार के संयोजकत्व में एक अध्ययन कार्यदल बनाने का भी निर्णय लिया है।

नेपाल में भारतीय तीर्थयात्रियों की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त, एक बच्चे की मौत, 21 घायल

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के प्रसिद्ध तीर्थ क्षेत्र स्वर्गद्वारी में भारतीय तीर्थयात्रियों को लेकर जा रही एक जीप दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि उसमें सवार 21 भारतीय तीर्थ यात्री घायल

हो गए हैं। पुलिस के अनुसार भिंग्री से स्वर्गद्वारी मंदिर की ओर जा रही (लु 1 ज 3175) नंबर की मुस्तांग जीप अनियंत्रित होकर दुर्घटना का शिकार हो गई। इस हादसे में 21 लोग घायल हुए हैं, जिनमें 5 बच्चे शामिल हैं। घायलों में से 10 लोगों को बेहतर इलाज के लिए बुटवल के अस्पताल में रेफर किया गया है।मृत बच्चे की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है।बताया गया है कि जीप सड़क से करीब 25 से 30 मीटर नीचे गिर गई थी। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए भिंग्री प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया।

चीन के स्पेस स्टेशन जाने वाले पहले विदेशी बनेंगे दो पाकिस्तानी, शरीफ ने की मुलाकात

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ ने चीन के अंतरिक्ष मिशन के लिए चयनित पाकिस्तानी अंतरिक्ष यात्रियों खुर्रम दाऊद और मोहम्मद ज़ीशान अली से मुलाकात की और उनके प्रयासों की सराहना की।

इस अवसर पर पाकिस्तान की अंतरिक्ष एजेंसी सुपारको की अंतरिक्ष यात्री आताशी हस्नान इफ्तिखार भी उपस्थित थीं। बैठक में पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री इशाक डार, योजना मंत्री एहसान इक़बाल, सूचना एवं प्रसारण मंत्री अत्ताउल्लाह तरार, विशेष सहायक सैयद तारिक फ़ातिमी, विदेश सचिव अमना बलोच, सुपारको अध्यक्ष मोहम्मद यूसुफ़ ख़ान तथा पाकिस्तान में चीन के राजदूत जियांग ज़ैडोंग भी शामिल हुए।श्री शरीफ ने अंतरिक्ष यात्रियों से कहा कि उनसे मिलना उनके लिए गर्व का विषय है और यह मिशन पाकिस्तान के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगा। उन्होंने कहा कि दोनों युवा अंतरिक्ष यात्री अपने परिश्रम के

बल पर इस मुकाम तक पहुंचे हैं और उनका यह प्रयास देश के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ेगा।

उन्होंने कहा कि चीन के सहयोग से यह मिशन दोनों देशों के भाईचारे के संबंधों को और सुदृढ़ करेगा।

श्री शरीफ ने चीनी राजदूत के साथ बातचीत में कहा कि अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में पाकिस्तान और चीन की मित्रता नई ऊंचाइयों को छूने के लिए तैयार है। राजदूत ने भी दोनों देशों के बीच सहयोग को महत्वपूर्ण बताया। अंतरिक्ष यात्रियों ने कहा कि अंतरिक्ष में अनुसंधान कार्य करना उनके लिए सम्मान और गर्व की बात है और वे देश की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करेंगे।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार, चीन के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए विदेशी अंतरिक्ष यात्रियों के पहले समूह के चयन में पाकिस्तान के दो उम्मीदवारों का चयन किया गया है। दोनों चयनित उम्मीदवार प्रशिक्षण के लिए शीघ्र ही चीन जाएंगे और आवश्यक प्रशिक्षण तथा मूल्यांकन पूरा करने के बाद उनमें से एक को अंतरिक्ष मिशन में भेजा जाएगा।

चीन की अंतरिक्ष एजेंसी सीएमएसए और सुपारको के बीच हुए समझौते के तहत पाकिस्तानी अंतरिक्ष यात्रियों का चयन और प्रशिक्षण किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत एक पाकिस्तानी अंतरिक्ष यात्री चीन के अंतरिक्ष स्टेशन तक पहुंचने वाला पहला विदेशी अंतरिक्ष यात्री बनेगा।

page 1 and 8 Apr 25_page 1 Mar 25 final ds.qxd 4/25/2026 1:15 AM Page 2

स्थानीय समाचार

डोडा में गुज्जर-बकरवाल छात्रावासों का निरीक्षण, मंत्री जावेद राणा ने दिए सुविधाएं सुधारने के निर्देश

डोडा, 24 अप्रैल (हि.स.)। जनजातीय कार्य मंत्री जावेद अहमद राणा ने शुक्रवार को डोडा स्थित गुज्जर एवं बकरवाल छात्रावासों (लड़के व लड़कियों) का दौरा कर वहां उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान मंत्री ने छात्रावासों में आवश्यक सुविधाएं, शैक्षणिक व्यवस्था और छात्रों के रहने की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि छात्र-छात्राओं को बेहतर शिक्षा और अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया जाए, ताकि वे अपनी पढ़ाई में उत्कृष्ट

प्रदर्शन कर सकें। राणा ने छात्रावासों के बुनियादी ढांचे को उन्नत करने और सुविधाओं को मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि जनजातीय छात्रों को बेहतर शैक्षणिक और आवासीय सुविधाएं देना सरकार की प्राथमिकता है।

इस दौरान मंत्री ने छात्रों से बातचीत कर उनकी समस्याएं और सुझाव भी सुने तथा भरोसा दिलाया कि उनकी जायज मांगों का जल्द समाधान किया जाएगा। इस मौके पर विधायक शक्ति राज परिहार, दलीप सिंह परिहार और जिला डोडा के वरिष्ठ अधिकारी भी उनके साथ मौजूद रहे।

नशा मुक्त भारत अभियान-जीडीसी कठुआ में ड्रग हॉटस्पॉट मैपिंग व जागरूकता सत्र आयोजित

कठुआ, 24 अप्रैल (हि.स.)। नशा मुक्त भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाते हुए गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज कठुआ ने जिला पुलिस कठुआ के सहयोग से कॉलेज परिसर में ड्रग हॉटस्पॉट मैपिंग और जागरूकता सत्र का आयोजन किया। कार्यक्रम में 150 से अधिक छात्र-छात्राओं

और शिक्षकों ने भाग लेकर नशे के बढ़ते खतरे पर गंभीर चर्चा की।

सत्र की शुरुआत पुलिस अधिकारियों द्वारा हॉटस्पॉट मैपिंग पर इंटरैक्टिव चर्चा से हुई, जिसमें ड्रग तस्करी के रूट, संवेदनशील क्षेत्रों और जिले में उभरते रुझानों की जानकारी दी गई। छात्रों ने भी सक्रिय भागीदारी करते हुए स्थानीय स्तर पर हॉटस्पॉट चिन्हित किए। इसके बाद पुलिस इंस्पेक्टर सुरिंदर रैना ने नशे के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों पर विस्तृत जानकारी दी और पुनर्वास की सफल कहानियां साझा कीं।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मनोहर लाल ने कहा कि इस तरह की पहल युवाओं को जागरूक बनाकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में मदद करती है। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने नशे से दूर रहने और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने का संकल्प लिया।

कुख्यात ड्रग तस्कर के अवैध रूप से अर्जित वाहन को किया जब्त

रियासी, 24 अप्रैल (हि.स.)। चल रहे नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत मादक पदार्थों की तस्करी और नशीले पदार्थों के नेटवर्क के खिलाफ अपनी कड़ी कार्रवाई जारी रखते हुए रियासी पुलिस, एसएसपी मुकुंद टिबरेवाल ने एक कुख्यात ड्रग तस्कर की अवैध रूप से अर्जित संपत्ति को कुर्क करके एक और महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। ड्रग तस्करों और आदतन अपराधियों के वित्तीय ढांचे को नष्ट करने के निरंतर प्रयासों के अनुसरण में रियासी पुलिस ने कुख्यात ड्रग तस्कर विशाल शर्मा उर्फ मुरली पुत्र मोहन लाल निवासी मांडियन मोहल्ला रियासी, ए/पी परथल कटरा, जिला रियासी के पंजीकरण संख्या जेके21ए-0829 वाले एक वाहन को जब्त कर लिया। उक्त वाहन को माननीय उप न्यायाधीश कटरा न्यायालय के आदेश से धारा 107(5) बीएनएसएस के प्रावधानों के तहत कुर्क किया गया है। आरोपी पुलिस स्टेशन कटरा में दर्ज कई एनडीपीएस मामलों में शामिल है जिसमें धारा 8/21/22 एनडीपीएस अधिनियम के तहत एफआईआर संख्या 266/2025 और धारा 8/21/22 एनडीपीएस अधिनियम के तहत एफआईआर संख्या 65/2026 शामिल है। नशीले पदार्थों से संबंधित गतिविधियों में उनकी निरंतर भागीदारी ने उन्हें रियासी पुलिस द्वारा कड़ी निगरानी का विषय बना दिया था। मादक पदार्थों की तस्करी से प्राप्त आय के माध्यम से अवैध रूप से अर्जित किए गए वाहन की कुर्की, मादक पदार्थों के अपराधों के खिलाफ रियासी पुलिस की शून्य-सहिष्णुता नीति को दर्शाती है।

सेना ने ऑपरेशन सर्प विनाश के नायक फजल हुसैन ताहिर को श्रद्धांजलि दी

पुंछ, 24 अप्रैल(हि.स.)। भारतीय सेना ने ऑपरेशन सर्प विनाश में एक प्रमुख व्यक्ति फज़ल हुसैन ताहिर को उनके पैतृक गांव, मुर्रा, पुंछ जिले में उनके अंतिम संस्कार के दौरान सम्मानित किया। 62 वर्षीय ताहिर का 22 अप्रैल 2026 को उत्तराखंड में निधन हो गया। वह साहस और एकता के प्रतीक थे जिन्होंने 2003 में जम्मू-कश्मीर के हिल काका और मुर्रा इलाकों में आतंकवाद को खत्म करने वाले सफल ऑपरेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनके पार्थिव शरीर को देर रात मुर्रा ले जाया गया और भारतीय सेना ने एक बड़ी भीड़ की उपस्थिति सुनिश्चित करते हुए उनकी अंतिम प्रार्थना का आयोजन किया। यह समारोह सर्वोच्च सम्मान और सैन्य परंपराओं के साथ आयोजित किया गया। स्थानीय समुदाय और भारतीय सेना ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में उनके असाधारण साहस को स्वीकार करते हुए ताहिर के बलिदान को श्रद्धांजलि दी। उनकी स्मृति में पुष्पांजलि समारोह आयोजित किया गया और दो मिनट का मौन रखा गया। मुर्राह और कुलाली के लोगों ने सेना के समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया क्योंकि क्षेत्र एक सच्चे नायक के खोने पर शोक मनाता है

डोगरा कम्युनिटी कनेक्ट एवं हेल्थ अवेयरनेस प्रोग्राम का सफल आयोजन

नई दिल्ली / गुरुग्राम। डोगरा समुदाय को एकजुट करने और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से डोगरा कम्युनिटी कनेक्ट एवं हेल्थ अवेयरनेस प्रोग्राम का सफल आयोजन आर्टेमिस हॉस्पिटल, गुरुग्राम में किया गया।

इस कार्यक्रम में डोगरा समाज के अनेक प्रतिष्ठित सदस्यों, डॉक्टरों, उद्यमियों एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समुदाय को न केवल एक मंच पर लाना था, बल्कि उन्हें स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियों से भी अवगत कराना था।

कार्यक्रम के अंतर्गत विशेषज्ञ डॉक्टरों — डॉ. कपिल जम्वाल एवं डॉ. अतुल शर्मा — द्वारा विभिन्न स्वास्थ्य विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। पहले सत्र में

गट हेल्थ एवं सिस्टमेटिक समस्याएं विषय पर चर्चा हुई, जबकि दूसरे सत्र में *कैंसर जागरूकता एवं उपचार* पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई। इसमें निवारक स्वास्थ्य, जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ और समय पर जांच की आवश्यकता जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर भी प्रकाश डाला गया। उपस्थित लोगों ने इन सत्रों को अत्यंत उपयोगी और ज्ञानवर्धक बताया।

कार्यक्रम में उद्यमी पैनल की चर्चा *डोगरा नेटवर्क कैपिटल-बिल्डिंग अवर ओन इकोसिस्टम* विषय पर आयोजित की गई, जिसमें सफल उद्यमियों ने अपने अनुभव साझा किए और युवाओं को स्टार्टअप एवं व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रेरित किया। इस सत्र ने प्रतिभागियों को नए अवसरों और नेटवर्किंग के महत्व को समझने में सहायता प्रदान की।

इसके अतिरिक्त, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को और भी जीवंत बना दिया, जिससे डोगरा संस्कृति, भाषा और परंपराओं की सुंदर झलक देखने को मिली। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय डोगरा स्टूडेंट्स एसोसिएशन की सक्रिय भागीदारी तथा अन्य दिल्ली स्थित विभिन्न डोगरा समूहों की सहभागिता ने यह दर्शाया कि नई पीढ़ी एवं समाज के विभिन्न वर्ग अपनी संस्कृति को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

कार्यक्रम में मेधा शर्मा(गणेश वंदना)पल्लवी वढेरा(डोगरी लोकगीत नृत्य), धीरज शर्मा (पार्श्वगायक)एवं समूह, मधु शर्मा (लोकगीत व भक्ति गायिका) तथा अनिल कलोत्रा (लोकगीत गायक) द्वारा प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस आयोजन ने यह संदेश दिया कि आधुनिक जीवनशैली के साथ-साथ अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहना भी उतना ही आवश्यक है।

कार्यक्रम के सफल संचालन एवं आयोजन ने यह सिद्ध किया कि इस प्रकार के सामुदायिक और जागरूकता कार्यक्रम समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। प्रतिभागियों ने भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित करने की इच्छा व्यक्त की।

आयोजक—

आर्टेमिस अस्पताल, गुरुग्राम (प्रमुख आयोजक), जम्मू - कश्मीर बैंक,ज्योति गुप्ता , त्रिकुटा आइल्स, नेहा शर्मा, कैलाश पति शर्मा, रोहित महाजन ने सभी प्रतिभागियों, डॉक्टरों, पैनलिस्टों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रयास आगे भी जारी रहेंगे, ताकि डोगरा समुदाय को एक मजबूत, स्वस्थ और जागरूक समाज के रूप में आगे बढ़ाया जा सके। कार्यक्रम में वितरित किए गए तुलसी के पौधे स्वास्थ्य, संस्कृति और पर्यावरण के समन्वय का सुंदर प्रतीक रहे।

सोपोर में हिंसा में संलिप्तता के आरोप में छह लोग पीएसए के तहत गिरफ्तार

सोपोर, 24 अप्रैल (हि.स.)। सोपोर में हाल ही में हुए प्रदर्शनों से संबंधित हिंसा में संलिप्तता के आरोप में छह लोगों को लोक सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत हिरासत में लिया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि सभी छह गिरफ्तार लोगों को जिला जेल भदरवाह में स्थानांतरित कर दिया गया है जबकि हिंसा से जुड़े अन्य लोगों की पहचान की जा रही है और आगे की कार्रवाई की संभावना है। उन्होंने बताया कि एक व्याख्याता के खिलाफ उत्पीड़न के आरोप सामने आने के बाद प्रदर्शन शुरू हुए जो बाद में हिंसक हो गए। उन्होंने कहा कि पत्थरबाजी और सार्वजनिक और निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं सामने आईं जिनमें स्कूल भवनों और वाहनों को नुकसान पहुंचाना शामिल है।

हटली स्कूल के मेधावी छात्रों का सम्मान, 97.92 प्रतिशत रिजल्ट पर विधायक जसरोटिया ने दी बधाई, लड़कियों ने मारी बाजी

कठुआ, 24 अप्रैल (हि.स.)। जसरोटा विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजीव जसरोटिया ने शुक्रवार को गवर्नमेंट मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल हटली के 10वीं और 12वीं कक्षा के मेधावी छात्रों को सम्मानित किया।

यह कार्यक्रम विद्यार्थियों की उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों को सराहने और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य शिक्षा अधिकारी कठुआ केवल कृष्ण सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। विधायक जसरोटिया ने छात्रों को शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई देते हुए शिक्षकों और अभिभावकों के योगदान की भी सराहना की।

उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता लगातार बेहतर हो रही जिसका परिणाम इन उत्कृष्ट रिजल्ट्स के

रूप में सामने आया है। हायर सेकेंडरी पार्ट-2 (2026) में स्कूल का प्रदर्शन बेहद उत्कृष्ट रहा। साइंस स्ट्रीम में दीपशीखा ने 500 में से 492 अंक हासिल कर टॉप किया और मेरिट सूची में 6वां स्थान प्राप्त किया। जानबी देवी ने 489 अंक लेकर 9वां स्थान हासिल किया। अंजलि भदवाल और अरुषि राजपूत ने भी 483 के साथ शानदार प्रदर्शन किया।

इसी प्रकार आर्ट्स स्ट्रीम में ललिता देवी ने 478 अंक हासिल कर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि सुनील सिंह ने 475 अंक प्राप्त किए। अन्य प्रमुख छात्रों में नरेंद्र सिंह और रिया देवी (94.6 प्रतिशत), नीतिका चैधरी (94.4 प्रतिशत), कविता रानी (93.8 प्रतिशत), लाल सिंह (92.6 प्रतिशत) और हर्षिका राजपूत (92.4 प्रतिशत) शामिल रहे। स्कूल का कुल परिणाम 97.92 प्रतिशत रहा, जिसमें 145 में से 143 छात्र सफल हुए। लड़कियों ने एक बार फिर बेहतर प्रदर्शन करते हुए 98.38 प्रतिशत पास प्रतिशत दर्ज किया, जबकि लड़कों का परिणाम 97.5 प्रतिशत रहा।

कार्यक्रम के दौरान विधायक जसरोटिया ने छात्रों को भविष्य में भी इसी तरह मेहनत जारी रखने और अपने लक्ष्यों पर केंद्रित रहने की सलाह दी।

उन्होंने क्षेत्र में शिक्षा ढांचे को और मजबूत करने का भी भरोसा दिलाया। यह परिणाम न केवल छात्रों की मेहनत बल्कि शिक्षकों की समर्पित सेवा और संस्थान की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रमाण है।

एल-जी विनय कुमार सक्सेना ने तथागत बुद्ध के पवित्र अवशेषों के ऐतिहासिक प्रदर्शनी की तैयारियों की समीक्षा की

लेह, 24 अप्रैल। तथागत बुद्ध के पवित्र अवशेषों के सार्वजनिक प्रदर्शन के ऐतिहासिक अवसर के निकट आने पर, केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के उपराज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना ने एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें तैयारियों की समीक्षा की गई और आगामी कार्यक्रम के लिए व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

बैठक के दौरान, उपराज्यपाल ने स्वच्छता, सफाई, सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, पार्किंग, पेयजल, शौचालय सुविधाएं, बिजली आपूर्ति, परिवहन और अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे से संबंधित व्यवस्थाओं की व्यापक समीक्षा की। इस अवसर के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने सभी विभागों के बीच सूक्ष्म योजना और समन्वय की आवश्यकता बताई ताकि श्रद्धालुओं और आगंतुकों को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और आध्यात्मिक अनुभव मिल सके।

तैयारियों का जायजा लेने के बाद, उपराज्यपाल ने संबंधित विभागों को निम्नलिखित निर्देश दिए-

लगभग 100 लोगों की क्षमता वाले निर्धारित ब्लॉक बनाए जाएं ताकि भीड़ प्रबंधन बेहतर हो सके, विशेषकर 1 मई को बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर संभावित बड़ी भीड़ के मद्देनजर भगदड़ जैसी स्थिति से बचा जा सके।

स्वच्छता की बढ़ती आवश्यकता को देखते हुए जिवेत्सल में मोबाइल शौचालय लगाए जाएं।

कचरे को कम करने के लिए डिस्पोजेबल प्लास्टिक कप के उपयोग से सख्ती से बचा जाए; सफाई के लिए विशेष टीमों की तैनाती और निर्धारित स्थानों पर डस्टबिन लगाए जाएं।

सड़कों के किनारे टूटे हुए फेंस, पत्थर और बोल्डर हटाए जाएं ताकि साफ-सुथरा और व्यवस्थित वातावरण बना रहे।

कचरा संग्रहण वाहनों की तैनाती और सड़कों व टाइल वाले क्षेत्रों की सफाई के लिए जेट स्प्रे का उपयोग किया जाए ताकि धूल नियंत्रण और स्वच्छता बनी रहे।

आईटीबीपी क्षेत्र के साथ लगी दीवारों की सफेदी कर सौंदर्य बढ़ाया जाए।

हवाई अड्डे से पर्याप्त परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई जाए, जिसमें निर्धारित ड्रॉप-ऑफ पॉइंट, गांवों से श्रद्धालुओं को लाने की व्यवस्था और बस समय-सारिणी की जानकारी शामिल हो।

29 मई को पवित्र अवशेषों के आगमन के दिन हवाई अड्डे से जिवेत्सल तक पारंपरिक स्वागत की व्यवस्था की जाए, और 30 अप्रैल को गणमान्य व्यक्तियों के आगमन को ध्यान में रखते हुए सेंग्गे नामग्याल चौक तक पारंपरिक वेशभूषा में लोगों की कतार लगाई जाए।

जिवेत्सल में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सभी नलों को पूरी तरह चालू किया जाए। तत्काल स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त चिकित्सा कर्मियों की तैनाती की जाए। लेह पैलेस में साउंड एंड लाइट शो के दौरान आगंतुकों के लिए पर्याप्त बैठने की व्यवस्था की जाए।

डोडा में जम्मू-कश्मीर नेशनल कांफ्रेन्स (एनसी) के पार्टी कार्यकर्ताओं का एक दिवसीय सम्मेलन

डोडा, 24 अप्रैल (हि.स.)। जल शक्ति, वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण एवं जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने शुक्रवार को डोडा के टाउन हॉल में जम्मू-कश्मीर नेशनल कांफ्रेन्स (एनसी) के पार्टी कार्यकर्ताओं के एक दिवसीय सम्मेलन की अध्यक्षता की।

इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न हिस्सों का प्रतिनिधित्व करने वाले पार्टी नेताओं और जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई जो मजबूत संगठनात्मक जुड़ाव को दर्शाती है। सम्मेलन में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में रतन लाल गुप्ता (प्रांतीय अध्यक्ष जम्मू-कश्मीर राष्ट्रीय सम्मेलन), अब्दुल गनी तेली, हरवधान, अरुण पाल और अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हुए।

सम्मेलन में बड़ी संख्या में जिला नेताओं, ब्लॉक अध्यक्षों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया जिनमें जफ्फर उल्लाह राथर, शादाब सुहरवर्दी, राजिंदर सिंह, मौलवी अब्दुल मजीद, गुलाम हसन भट, नूर मोहम्मद कालू, हाशम दीन, मोहम्मद अयूब खान, अनीता ठाकुर, मंगतुल्लाह लोहार आदि शामिल थे।

संवादात्मक सत्र के दौरान मंत्री ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ विस्तार से बातचीत की जिन्होंने चिनाब घाटी के विभिन्न क्षेत्रों को प्रभावित करने वाले कई महत्वपूर्ण सार्वजनिक मुद्दों और विकास संबंधी चिंताओं को सामने रखा। प्रतिभागियों ने बाढ़ प्रभावित परिवारों को मुआवज़ा न मिलने, डोडा कस्बे में पीने के पानी की कमी और दिहाड़ी मजदूरों के नियमितीकरण और वेतन भुगतान में देरी से संबंधित शिकायतें उठाईं। सिंचाई कुलों की मरम्मत और गाद निकालने की तत्काल आवश्यकता, विकास कार्यों के लिए वन मंजूरी मिलने में देरी और जल जीवन मिशन (जेजेएम) के तहत विभिन्न जल आपूर्ति योजनाओं के कार्यान्वयन की धीमी गति पर भी चिंता व्यक्त की गई।